सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

# परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 28, नई दिल्ली । बुधवार, 10 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

हमेशा चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए इससे सफलता मिलेगी या तो शिक्षा।

03 सीएम केजरीवाल से पत्नी सुनीता ने तिहाड़ जेल में की मुलाकात...

06 राम सिंह पठानिया : इतिहास के गुमनाम नायक

08 अटारी बॉर्डर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

# मुंबई को कोलकाता से जोड़ने के लिए चार एक्सप्रेस-वे जल्द ! प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी का इंतजार....

एक प्रमुख विकास में, मुंबई और कोलकाता के बीच एक एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी जल्द ही हकीकत बन सकती है।

संजय बाटला

दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क होने के नाते, भारत ने हाल के वर्षों में अपनी सड़क संपर्क में भारी बढ़ोतरी दर्ज की है। एक प्रमुख विकास में, मुंबई और कोलकाता के बीच एक एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी जल्द ही हकीकत बन सकती है।

**नई दिल्ली।** दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क होने के नाते, भारत ने हाल के वर्षों में अपनी सड़क संपर्क में भारी बढ़ोतरी दर्ज की है। जैसे-जैसे देश में ज्यादा से ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट (बुनियादी ढांचा परियोजनाएं) शुरू की जा रही हैं। वैसे ही नेशनल हाईवे और हाई-स्पीड आर्थिक गलियारों के जरिए पूरे भारत में सड़क नेटवर्क का विस्तार करने के मकसद से कई सड़क परियोजनाएं भी निर्धारित हैं।

एक प्रमुख विकास में, मुंबई और कोलकाता के बीच एक एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी जल्द ही हकीकत बन सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट से पता चलता है कि 2028 तक, मुंबई और कोलकाता रास्ते में विभिन्न शहरों को जोड़ने वाले आगामी एक्सप्रेसवे की एक सीरीज के जरिए जुड़े होंगे।

**मुंबई और कोलकाता को जोड़ने वाले चार एक्सप्रेसवे**

इस कनेक्टिविटी को सुगम बनाने वाले चार एक्सप्रेसवे में मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे, नागपुर-भंडारा-गोंदिया एक्सप्रेसवे, रायपुर-धनबाद आर्थिक कॉरिडोर और वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे शामिल हैं।

**आधिकारिक पुष्टि का है इंतजार**

हालांकि इन पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। ये अटकलें पूर्वी महाराष्ट्र एक्सप्रेसवे के नाम से भी जानी जाने वाली नागपुर-भंडारा-गोंदिया एक्सप्रेसवे के प्रस्ताव के बाद आई हैं।

127 किलोमीटर में फैला, पूर्वी महाराष्ट्र एक्सप्रेसवे मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे का विस्तार करेगा। जो महाराष्ट्र में नागपुर, भंडारा और गोंदिया जिलों को जोड़ेगा। नए एक्सप्रेसवे से नागपुर और गोंदिया के बीच यात्रा के समय को मौजूदा चार से पांच घंटे की तुलना में लगभग दो घंटे कम होने की उम्मीद है। अगर प्रस्तावित परियोजना को मंजूरी दे दी जाती है, तो मुंबई और कोलकाता के बीच यात्रा करना वर्तमान की तुलना में काफी आसान हो जाएगा, जिसमें समय की भी बचत होगी।

## ओमनी फाउंडेशन और परिवहन विशेष के सांझा प्रयास में फ़रीदाबाद की जनता के विचार

ऐसा ही कुछ प्रशासन ने आईएमटी फरीदाबाद में भी डाला हुआ है जिसकी वजह से आसपास की सोसाइटी कूड़े की गंध को झेल रही है इसी को कहेंगे क्या ग्रीन फरीदाबाद एंड क्लीन फरीदाबाद, कुलदीप सिंह

पता नही क्यों फरीदाबाद से पाकिस्तान जैसी दुश्मनी निकलते हैं हरियाणा के सरकारी विभाग और अफसर। सरकारी गुंडागर्दी से पूरे जिले को बंधवाडी के जहरीले, प्लास्टिक कचरे से भरकर नरक बना दिया। जिते

अधिकतर लोगों का मत है की एक जुट होकर प्रदर्शन की आवश्यकता है क्योंकि सरकार और सरकारी अधिकारी ना तो कार्य कर रहे हैं और ना दे रहे ध्यान।

## दो पहिया वाहनों को चलाते समय हेलमेट क्यों जरूरी

**राष्ट्र के प्रिय युवाओं,**

आज, मैं अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करना चाहता हूं: सड़क सुरक्षा, विशेष रूप से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने की आदत।

आपका हेयरस्टाइल निस्संदेह आपकी शैली और व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बताता है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात आपके सिर की सुरक्षा है। यह गंभीर तथ्य है कि दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप होने वाली घातक चोटों में से एक बड़ी संख्या सिर की चोटों के कारण होती है। यदि हेलमेट पहनने जैसी उचित सावधानियां बरती जाएं तो इन त्रासदियों को अक्सर रोका जा सकता है।

आइए एक आम ग़लतफ़हमी को दूर करें: यह धारणा कि आधा हेलमेट पहनना पर्याप्त है। वास्तविकता यह है कि दुर्घटना की स्थिति में आधा हेलमेट सीमित सुरक्षा प्रदान करता है। बहुत से लोग हेलमेट पहनते हैं लेकिन उन्हें सुरक्षित रूप से बांधने में असफल होते हैं। नतीजतन, अचानक झटके या प्रभाव के दौरान, हेलमेट उखड़ जाता है, जिससे वह बेकार हो जाता है। इसलिए, न केवल हेलमेट पहनना जरूरी है बल्कि यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि वह ठीक से सुरक्षित है।

मैं आपसे आग्रह करता हूं कि हेलमेट पहनने को केवल एक कानूनी आवश्यकता के रूप में न देखें, बल्कि इसे अपनी भलाई, अपने प्रियजनों की सुरक्षा और समग्र रूप से हमारे राष्ट्र के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देखें। एक फिट और स्वस्थ आबादी एक संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ बनती है।

इसलिए, जब आप अपनी दैनिक यात्रा पर निकलें, चाहे काम के लिए या आराम के लिए, अपने हेलमेट को सुरक्षित रूप से बांधना याद रखें। आइए शैली से समझौता किए बिना सुरक्षा को प्राथमिकता दें। साथ मिलकर, हम जिम्मेदार सड़क व्यवहार की संस्कृति बना सकते हैं जो जीवन बचाती है।

सुरक्षित रहें, सतर्क रहें

**डॉ. अंकुर शरण**
**नेशनल चीफ प्लानिंग एंड ट्रांसपोर्ट ऑफिसर**
**रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)**

# ओमनी फाउंडेशन और परिवहन विशेष का साझा प्रयास:- सड़क सुरक्षा और जाम मुक्त सड़के

## ओमनी फाउंडेशन / परिवहन विशेष के प्रयास सड़क सुरक्षा के प्रति डॉक्टर अंकुर शरण द्वारा प्रस्तुत लेख युवाओं को समर्पित

(हर एक व्यक्ति की जान कीमती है इसे बचवाने के हमारे संकल्प में सहयोगी बनें)

**हाई बीम के साथ गाड़ी चलाना गंभीर खतरा है:**

**आजकल रात के समय एक समस्या उग्र रूप लेती जा रही है। रोड पर चलना कठिन होता जा रहा है।** लोगों ने अपने वाहनों की हैडलाइट में तेज रोशनी वाली लाइटें (एलईडी) लगाकर और हाईबीम पर चलते हैं। जिस से सामने से आ रहे चालक को कुछ दिखाई नहीं देता लगभग अंधे जैसी उस की हालत हो जाती है। परिणाम एक्सीडेंट होने के चांस। तेज लाइट व हाईबीम पर चलना ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन है। हम सब इसको अनदेखा कर रहे है इसके कारण भी दुर्घटना का ग्राफ बढ़ा है। मुझे याद है पहले सभी वाहनों की हैडलाइट के शीशे आधे काले करने होते थे। जिसने ऐसा नहीं किया उसका चालान किया जाता था।

**जागरूकता और प्रवर्तन की तत्काल आवश्यकता**

हाई बीम के साथ गाड़ी चलाने से सड़क सुरक्षा को बड़ा खतरा होता है, खासकर रात के समय यात्रा के दौरान। वाहन हेडलाइट्स में चमकदार एलईडी लाइटों का बढ़ता प्रचलन इस समस्या को बढ़ा रहा है, जिससे ड्राइवरों और पैदल चलने वालों दोनों के लिए खतरनाक स्थिति पैदा हो रही है। आने वाले ट्रैफ़िक पर हाई बीम का अंधाधुंध प्रभाव दृश्यता को गंभीर रूप से ख़राब कर सकता है, जिससे अनिवार्य रूप से ड्राइवर अस्थायी रूप से अंधे हो सकते हैं। इससे न केवल दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है बल्कि सड़क पर मृत्यु का खतरा भी बढ़ जाता है। यह समझना जरूरी है कि शहर की सीमा के भीतर हाई बीम के साथ गाड़ी चलाना यातायात नियमों का उल्लंघन है। फिर भी, इस नियम की अक्सर अनदेखी की जाती है, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि होती है। पिछली प्रथाओं को प्रतिबिंबित करते हुए, हेडलाइट्स द्वारा उत्सर्जित चमक को कम करने के उपाय के रूप में वाहनों में आधे काले हेडलाइट ग्लास की आवश्यकता को पूरा किया गया। इस मानक का अनुपालन करने में विफलता के परिणामस्वरूप जुर्माना लगाया गया। हालाँकि, ऐसा लगता है कि यह प्रवर्तन समय के साथ फीका पड़ गया है, जिससे चकाचौंध करने वाली चमकदार हेडलाइट्स का प्रचलन बना हुआ है। इस बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए, हाई बीम के उपयोग के संबंध में मौजूदा यातायात कानूनों को लागू करने पर नए सिरे से ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, हाई बीम पर ड्राइविंग से जुड़े खतरों पर जोर देने वाले जन जागरूकता अभियान मोटर चालकों को जिम्मेदार ड्राइविंग प्रथाओं के महत्व के बारे में शिक्षित करने में मदद कर सकते हैं। **हाई बीम के दुरुपयोग के लिए दंड सीएमवी नियम संख्या 106 में उल्लिखित हैं। उल्लंघनकर्ताओं को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 112 और 177 के तहत 100 रुपये से 300 रुपये तक का जुर्माना लग सकता है।** आदर्श रूप से, रात में सार्वजनिक सड़कों या सड़कों पर कम बीम रोशनी का उपयोग किया जाना चाहिए, जबकि सूर्यास्त के आधे घंटे बाद या दृश्यता सीमित होने पर टेल लाइट को सक्रिय किया जाना चाहिए। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए प्रकाश के उचित उपयोग के बारे में जागरूकता महत्वपूर्ण है। सभी के लिए सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए संदेश फैलाएं।

**"भारत सुरक्षित सड़कें: बदलाव के लिए यंगिस्तान जिंदाबाद"**

पेश किया जा रहा है ₹यंगिस्तान जिंदाबाद₹ #YoungistanZindabad

जो एक व्यापक सड़क सुरक्षा अभियान है जो भारत के युवाओं को सुरक्षित सड़कों को बढ़ावा देने में शामिल करने और सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है। नवीन पहलों की एक श्रृंखला के माध्यम से, हमारा लक्ष्य जिम्मेदार सड़क व्यवहार की संस्कृति विकसित करना और देश भर में दुर्घटनाओं को कम करना है।

**पीयर-टू-पीयर सड़क सुरक्षा अभियान:**

युवाओं को परिवर्तन के एजेंट बनने के लिए सशक्त बनाते हुए, हम उनके आयु वर्ग को लक्षित करते हुए सहकर्मी के नेतृत्व वाले जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित करेंगे। जमीनी स्तर के प्रयासों के माध्यम से, युवा राजदूत जागरूकता फैलाएंगे और अपने साथियों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करेंगे।

**कला निर्भर भारत - कला और रचनात्मक प्रतियोगिताएं:**

कला प्रतियोगिताओं, संगीत प्रतियोगिताओं और लघु फिल्म समारोहों के माध्यम से, हम युवाओं को सड़क सुरक्षा विषयों पर रचनात्मक रूप से अपने विचार व्यक्त करने के लिए मंच प्रदान करेंगे। ये रचनात्मक प्रयास अपने साथियों को प्रभावशाली तरीके से शामिल करने और शिक्षित करने के लिए शक्तिशाली उपकरण के रूप में काम करेंगे।

युवा सड़क सुरक्षा मंच: युवाओं के नेतृत्व वाले मंचों की स्थापना करके, हम युवाओं के लिए सड़क सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने, अनुभव साझा करने और समाधानों पर विचार-मंथन करने के लिए स्थान बनाएंगे। स्थानीय अधिकारियों, शिक्षकों और समुदाय के नेताओं के साथ सहयोग प्रभावी हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगा।

**डिजिटल स्टोरीटेलिंग अभियान:**

डिजिटल स्टोरीटेलिंग अभियान शुरू करते हुए, युवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ब्लॉग और पॉडकास्ट के माध्यम से सड़क सुरक्षा से संबंधित व्यक्तिगत अनुभव, प्रशंसापत्र और कहानियां साझा करेंगे। ये प्रामाणिक आख्यान उनके साथियों के साथ गहराई से जुड़ेंगे और सम्मोहक तरीके से जागरूकता बढ़ाएंगे।

**युवाओं के नेतृत्व वाली सड़क सुरक्षा अनुसंधान परियोजनाएं:**

युवाओं को अपने समुदायों से संबंधित सड़क सुरक्षा विषयों पर अनुसंधान परियोजनाएं संचालित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, वे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करेंगे, दुर्घटना डेटा का विश्लेषण करेंगे और मौजूदा सड़क सुरक्षा पहल का मूल्यांकन करेंगे। यह शोध उन्हें बदलाव की वकालत करने और प्रभावी समाधान लागू करने के लिए सशक्त बनाएगा।

**स्कूलों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगात्मक साझेदारी:**

शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी करके, हम इंटरैक्टिव पाठों, अतिथि व्याख्यानों और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से सड़क सुरक्षा शिक्षा को पाठ्यक्रम में एकीकृत करेंगे। छात्र अपने स्थानीय क्षेत्रों में सेवा-शिक्षण परियोजनाओं, सड़क सुरक्षा पहलों को डिजाइन और कार्यान्वित करने में संलग्न होंगे। एक उद्देश्य के साथ सोशल मीडिया चुनौतियाँ: विशिष्ट सड़क सुरक्षा व्यवहारों को बढ़ावा देने वाली सोशल मीडिया चुनौतियाँ शुरू करते हुए, प्रतिभागी जागरूकता फैलाएँगे और अपने साथियों को सुरक्षित आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। अनुभवों को साझा करने और दोस्तों को चुनौती देने से, आंदोलन को देश भर में गति मिलेगी।

"भारत सुरक्षित सड़कें: परिवर्तन के लिए युवा" सार्थक परिवर्तन लाने और सभी के लिए सुरक्षित सड़कें बनाने के लिए युवाओं की ऊर्जा और उत्साह का उपयोग करेगा। साथ मिलकर, हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण करेंगे जहां सड़क सुरक्षा प्राथमिकता होगी और सामूहिक कार्रवाई और सशक्तिकरण के माध्यम से दुर्घटनाओं को कम किया जाएगा।

# इंसान बनने की फ़ुर्सत नहीं, आदमी मसरूफ़ है ख़ुदा बनने में !! करोना से हमने क्या सिखा, प्रकृति से हमने क्या लिया और प्रकृति को क्या दिया? डॉक्टर अंकुर शरण

परिवहन विशेष न्यूज

ये पंक्तियां हम इंसानों को आइना दिखाने के लिए काफी हैं, कितना हम नीचे गिरेंगे - इन कूडो की पहाड़ी तले..करोना से हमने क्या सिखा, क्या प्रकृति से हमने लिया और उसे क्या दिया?

अपशिष्ट पृथक्करण₹ बड़ा आम हो चला है पर इसका महत्व क्या है, आइये जानते हैं।

अपशिष्ट पृथक्करण (Waste Segregation) केवल एक सैद्धांतिक अवधारणा नहीं है बल्कि एक व्यावहारिक समाधान है..

खासकर दिल्ली एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में। अरावली रेंज को भी पार करते हुए कचरे के पहाड़ों की चिंताजनक वृद्धि हमारी पर्यावरणीय प्रथाओं के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा करती है।

दोष देने के बजाय, हमें अपशिष्ट पृथक्करण के संबंध में अपनी आदतों पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। अपशिष्ट पृथक्करण प्रथाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की जिम्मेदारी प्रत्येक व्यक्तिगत घर की है। दुर्भाग्य से, वास्तविकता यह है कि केवल कुछ ही परिवारों ने सक्रिय रूप से इस जिम्मेदारी को अपनाया है। हमारी सामूहिक लापरवाही के परिणाम बढ़ते कूड़े के रूप में स्पष्ट हैं जो दुर्गंध फैला रहे हैं और पर्यावरण तथा हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

ये कूड़े-कचरे, जिन्हें अक्सर छोटी-छोटी परेशानियों के रूप में नजरअंदाज कर दिया जाता है, धीरे-धीरे हमारी मिट्टी को दूषित कर रहे हैं, हमारी जड़ों में घुसपैठ कर रहे हैं और हमारे जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहे हैं। इस पर्यावरणीय संकट से हमें बचाने के लिए कोई महानायक नहीं है; स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को अपनाना पूरी तरह से हमारा कर्तव्य है।

मुद्दे की भयावहता समाज के प्रत्येक सदस्य से तत्काल कार्रवाई और जवाबदेही की मांग करती है। अपशिष्ट पृथक्करण को संबोधित करने में विफलता न केवल हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डालती है बल्कि मानव सभ्यता के प्रक्षेप पथ पर भी सवाल उठाती है। यह जरूरी है कि हम स्थिति की तात्कालिकता को पहचानें और अपने घरों में अपशिष्ट पृथक्करण को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हों, न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि अपने अस्तित्व के लिए भी।

**भारत में अपशिष्ट प्रबंधन को समझना: चुनौतियाँ और समाधान**

भारत में सालाना 62 मिलियन टन कचरा पैदा होता है, जिसमें से 70% एकत्र किया जाता है, और केवल 12 मिलियन टन का उपचार किया जाता है, जबकि 31 मिलियन टन लैंडफिल में चला जाता है।

भारत अपने कचरे को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए संघर्ष कर रहा है, हर साल 62 मिलियन टन कचरे का उत्पादन होता है, लेकिन केवल एक अंश का ही उपचार किया जाता है, जिससे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताएँ पैदा होती हैं। तेजी से हो रहे शहरीकरण ने इस समस्या को बढ़ा दिया है, शहरों में बड़ी मात्रा में ठोस कचरा पैदा होता है, जिसमें से अधिकांश अनुपचारित रह जाता है या लैंडफिल में चला जाता है।

ई-कचरा एक बढ़ती हुई चुनौती पेश करता है, जिसके लिए बेहतर रीसाइक्लिंग बुनियादी ढांचे और तकनीकी नवाचार की आवश्यकता है। अपशिष्ट प्रबंधन में अनौपचारिक क्षेत्र की भूमिका के बावजूद, अपर्याप्त संग्रह बुनियादी ढांचे और खराब छंटाई प्रथाओं के कारण समस्याएं बनी रहती हैं, जिसके परिणामस्वरूप मूल्यवान सामग्री लैंडफिल में खो जाती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए, भारत को अपशिष्ट संरचना और लागत को समझने, नवीन प्रौद्योगिकियों में निवेश करने और अपशिष्ट संग्रहण सेवाओं में सुधार करने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन करना चाहिए।

औपचारिक और अनौपचारिक अपशिष्ट क्षेत्रों को एकीकृत करना, विकेंद्रीकृत प्रबंधन और सहायक नीतियों के माध्यम से रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण कदम हैं। जैविक कचरे के लिए कंपोस्टिंग और बायो-मेथेनेशन लागू करना, मौजूदा डंप को सैनिटरी लैंडफिल में परिवर्तित करना और आरएफआईडी निगरानी और जीपीएस ट्रैकिंग जैसी प्रौद्योगिकियों को नियोजित करने से दक्षता बढ़ सकती है।

अपशिष्ट-से-ऊर्जा विधियां जैविक कचरे को ईंधन में परिवर्तित करके और अधिक संभावनाएं प्रदान करती हैं। सामान्य अपशिष्ट उपचार सुविधाओं की स्थापना, बायोमेडिकल और खतरनाक कचरे का उचित निपटान सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी आवश्यक है। उचित अपशिष्ट निपटान प्रथाओं की उपेक्षा करने वालों को जवाबदेह ठहराने के लिए ₹प्रदूषक भुगतान सिद्धांत₹ सहित अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का कड़ाई से कार्यान्वयन आवश्यक है।

सामुदायिक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित जन जागरूकता अभियान, टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देने, अपशिष्ट पृथक्करण, पुनर्चक्रण और खाद बनाने पर आबादी को शिक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन समाधानों को अपनाकर और सरकार, उद्योग और समुदायों के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर, भारत अपनी अपशिष्ट प्रबंधन चुनौतियों का समाधान कर सकता है और एक स्वच्छ, अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ सकता है।

# जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं रिश्ते, वैसे-वैसे अपने पार्टनर की ओर खत्म हो जाता है महिलाओं का आकर्षण

रिश्ते जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं, कपल एक-दूसरे के साथ सेक्स करना कम कर देते हैं। आमतौर पर महिलाओं के साथ ये ज्यादा होता है। समय के साथ वह अपने के साथ अंतरंग होने में कम रुचि महसूस करने लगती हैं। लेकिन क्यों?

जैसे-जैसे रिश्ते लंबे समय तक चलते हैं, उनमें बहुत बदलाव आते हैं। एक बड़ा बदलाव यह है कि लोग एक-दूसरे के कितना करीब महसूस करते हैं या फिर एक-दूसरे के साथ कितना सेक्स करते हैं। रिश्ते जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं, कपल एक-दूसरे के साथ सेक्स करना कम कर देते हैं। आमतौर पर महिलाओं के साथ ये ज्यादा होता है। समय के साथ वह अपने के साथ अंतरंग होने में कम रुचि महसूस करने लगती हैं। लेकिन क्यों? एक रिलेशनशिप कोच ने इस बात पर चर्चा की है और बताया है कि लंबे रिश्ते में क्यों महिलाएं अपने पतियों और बॉयफ्रेंड के प्रति यौन रूप से आकर्षित होना बंद कर देती हैं।

**महिलाओं में घटते आकर्षण के पीछे का मनोविज्ञान क्या है?**

डॉ. सारा हेन्सले ने अपने टिकटॉक पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि क्यों कई महिलाएं अपने पतियों के प्रति यौन आकर्षण महसूस करना बंद कर देती हैं। उन्होंने कहा, ₹महिलाएं अपने पतियों के साथ यौन संबंध बनाना बंद कर देती हैं इसका मुख्य कारण यह है कि वे भावनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। भावनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करने का कारण यह है कि उनके रिश्ते के अंदर उनकी लगाव की ज़रूरतें पूरी नहीं हो रही हैं।"

**यह भावना किस कारण से आती है?**

डॉ. सारा हेन्सले ने समझाया कि एक रोमांटिक रिश्ते के अंदर लगाव के लिए हमारी गहरी ज़रूरतें होती हैं, और अगर ये चीज़ें पूरी नहीं होती हैं तो हम भावनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे। विशेष रूप से महिलाओं के लिए जब भावनात्मक सुरक्षा की कमी होती है, तो वे अपने शरीर को अपने साथी को सौंपने में बहुत असुरक्षित महसूस करने लगती हैं, और वे अपने साथी के प्रति बेहद अनाकर्षक महसूस करने लगती हैं।

**हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं?**

हेन्सले ने लगाव के बारे में बात की और इसके सिद्धांतो के बारे में बताया। ये मनोविज्ञान का एक सिद्धांत है, जिसमें लोग किसी के प्रति अपने लगाव, जरुरत और प्यार को व्यक्त करने के लिए अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। हेन्सले ने समझाया कि चिंतित लोगों की सबसे बड़ी ज़रूरत प्यार, स्नेह और आश्वासन है। इसलिए उन्हें हर दिन बहुत सारे आश्वासन की ज़रूरत होती है कि आप उनसे प्यार करते हैं और रिश्ता स्थिर है। अंत में अपने साथी की बात सुनें और समझें कि उसे रिश्ते में पूर्णता और सुरक्षित महसूस कराने के लिए क्या आवश्यक है।

# रिश्ते में रोमांच और रोमांस का तड़का लगाने के लिए पार्टनर के साथ जरूर आजमाएं ये मजेदार चीजें

एक्सपर्ट के अनुसार, बस एक साथ समय बिताने से मदद मिल सकती है, लेकिन ऐसी गतिविधियाँ भी हैं जो आपके रिश्ते को और भी करीब और मजबूत बनाने में मदद कर सकती हैं। एक-दूसरे से प्रश्न पूछें और अपने साथी से खुलकर बात करें। सेक्स भी अच्छा ऑप्शन है। घर के काम मिलजुल कर करें।

क्या आप अपने रिश्ते को अधिक रोमांचक और रोमांटिक बनाने के तरीके खोज रहे हैं? अगर हाँ, तो ठहर जाएँ क्योंकि आपको आगे कोई तलाश करने की जरुरत नहीं है। हमारे पास उन कपल के लिए कुछ शानदार विचार हैं, जो अपने रिश्ते में रोमांच और रोमांस का तड़का लगाना चाहते हैं। चाहे चाहे वह एक साथ नई जगहों की खोज करना हो, रोमांचक गतिविधियों को आजमाना हो, या बस एक-दूसरे के साथ क्वालिटी समय बिताना हो, हमारे बताए हुए आईडियाज आपके रिश्ते में फिर से जोश जगा देंगे और आप अपने पार्टनर के साथ ऐसा समय बिताएंगे, जो जिंदगीभर के लिए यादगार बन जाएगा।

**पार्टनर के साथ डेट पर जाएं**

डेट पर जाना कुछ नया नहीं है, लेकिन अपनी बिजी लाइफ से ब्रेक लेकर पार्टनर के साथ कहीं बाहर जाना रिश्ते को रिफ्रेश कर देगा। डिनर और मूवी डेट शानदार आईडिया है, लेकिन अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं तो पार्टनर के साथ छोटी सी ट्रिप पर जा सकते हैं या फिर रात में पार्क की सैर पर जाएँ। अगर कहीं बाहर नहीं जाना चाहते तो घर पर रहकर पार्टनर के साथ मिलकर नई रेसिपी ट्राई करें, घर पर स्पा नाइट का आनंद ले सकते हैं, घर को डांस क्लब बना सकते हैं या फिर पार्टी की मेजबानी कर सकते हैं।

**पार्टनर के साथ हेल्थ पर ध्यान दें**

बिजी लाइफ सेहत को खराब कर रही है और पार्टनर के साथ मिलकर इसे मौज-मस्ती करते हुए ठीक किया जा सकता है। एक साथ जिम ज्वाइन करें या फिर घर पर रहकर योगा करें। साथ में एक्सरसाइज करने से आप और आपका पार्टनर एक-दूसरे के साथ समय बिता पाएंगे और रिश्ते में फिर से रोमांच और रोमांस भर जायेगा। जिम और योगा के अलावा आप अपने पार्टनर के साथ डांस कर सकते हैं।

रूम, किचन से लेकर बाथरूम तक जब मन किया जहाँ मन किया पार्टनर के साथ डांस करें और अपने रोमांटिक रिश्ते को मजबूत करें।

**एक-दूसरे की हॉबी एक्सप्लोर करें**

अगर रिश्ते में रहते हुए आप और आपके पार्टनर को एक-दूसरे की हॉबी के बारे में नहीं पता तो वक्त के साथ आपके रिश्ते की चमक फीकी पड़ जायेगी। इसलिए अपने बिजी वर्किंग शेड्यूल से टाइम निकाले और एक-दूसरे की हॉबी एक्सप्लोर करें। एक-दूसरे की हॉबी एक्सप्लोर करना रिश्ते को मजबूत बनाएगा। रसोई में नयी चीजों को बनाने से शुरुआत कर सकते हैं, ये आसान और मजेदार होगा। इसके अलावा ऐसे शौक खोजें जिनका आप एक साथ आनंद उठा सकें। आप चाहे तो साथ में मिलकर अपने घर या कमरें को सजा सकते हैं। ये नहीं तो फिर पार्टनर के साथ उनका पसंदीदा खेल खेलने से भी रिश्ता मजबूत करने में मदद मिलेगी।

**रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए जोड़े मिलकर कौन सी मजेदार चीजें कर सकते हैं?**

एक्सपर्ट के अनुसार, एक साथ समय बिताने से काफी मदद मिल सकती है, लेकिन ऐसी बहुत सारी गतिविधियां भी हैं, जो आपके रिश्ते को और भी रोमांटिक और मजबूत बनाने में मदद कर सकती हैं। एक-दूसरे से सवाल करें और अपने साथी से खुलकर बात करें। सेक्स भी अच्छा ऑप्शन है। घर के काम मिलजुल कर करें।

# हिन्दू नववर्ष की महत्वपूर्ण वैज्ञानिक बातें

विक्रमादित्य संवत को हिन्दू नववर्ष इसलिए बोला जाता है क्योंकि यह प्राचीन हिन्दू पंचांग और कैलेंडर पर ही आधारित है। 58 ईसा पूर्व राजा विक्रमादित्य ने खगोलविदों की मदद से इसे व्यवस्थित करके प्रचलित किया था। इसे नवसंवत्सर भी कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू संवत का नाम अलग अलग होता है जो कि संवत्सर के अंतर्गत रखे जाते हैं। संवत्सर क्या होता है यह हम आगे जानेंगे।

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा गुड़ी पड़वा से होता है। इस नववर्ष को प्रत्येक राज्य में अलग अलग नाम से पुकारा जाता है परंतु है यह नवसंवत्सर। गुड़ी पड़वा, होला मोहल्ला, युगादि, विशु, वैशाखी, कश्मीरी नवरेह, उगाडी, चेटीचंड, चित्रैय तिरुविजा आदि सभी की तिथि इस नव संवत्सर के आसपास ही आती है।

**1. सात दिन और 12 माह का प्रचलन**

इसी कैलेंडर से 12 माह और 7 दिवस बने हैं। 12 माह का एक वर्ष और 7 दिन का एक सप्ताह रखने का प्रचलन विक्रम संवत से ही शुरू हुआ। महीने का हिसाब सूर्य व चंद्रमा की गति पर रखा जाता है। विक्रम कैलेंडर की इस धारणा को यूनानियों के माध्यम से अरब और अंग्रेजों ने अपनाया। बाद में भारत के अन्य प्रांतों ने अपने-अपने कैलेंडर इसी के आधार पर विकसित किए।

**2. चैत्र माह है प्रथम माह**

प्राचीनकाल से ही यह परंपरा है कि इसी माह से देश दुनिया में पुराने कामकाज को समेटकर नए कामकाज की रूपरेखा तय की जाती रही है, क्योंकि यह माह वसंत के आगम का माह और इस माह से ही प्रकृति फिर से नई होने लगती है। आज भी भारत में चैत्र माह में बहिखाते नए किए जाते हैं। दुनिया के अन्य देशों में भी इसी माह में यह कार्य होता आ रहा है। यानी की मार्च माह में बदलाव होता है। दुनियाभर के समाज, धर्म और देशों में अलग-अलग समय में नववर्ष मनाया जाता है। अधिकतर कैलेंडर में नववर्ष मार्च से अप्रैल के बीच आता है और दूसरे दिन की शुरुआत सूर्योदय से होती है। मार्च में बदलने वाले कैलेंडर को ही प्रकृति और विज्ञान सम्मत माना जाता है जिसके कई कारण है।

**3. प्राकृति का नववर्ष**

मार्च में प्रकृति और धरती का एक चक्र पूरा होता है। जनवरी में प्रकृति का चक्र पूरा नहीं होता। धरती के अपनी धूरी पर घुमने और धरती के सूर्य का एक चक्कर लगाने लेने के बाद जब दूसरा चक्र प्रारंभ होता है असल में वही नववर्ष होता है। नववर्ष में नए सिरे से प्रकृति में जीवन की शुरुआत होती है। वसंत की बहार आती है। चैत्र माह अंग्रेजी कैलेंडर के मार्च और अप्रैल के मध्य होता है। 21 मार्च को पृथ्वी सूर्य का एक चक्कर पूरा कर लेती है, उस वक्त दिन और रात बराबर होते हैं। वैज्ञानिक कहते हैं कि इसी दिन से धरती प्राकृतिक नववर्ष प्रारंभ होता है।

**4. सूर्योदस से शुरु होता है नववर्ष प्रारंभ**

रात्रि के अंधकार में नववर्ष का स्वागत नहीं होता। नया वर्ष सूरज की पहली किरण का स्वागत करके मनाया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार रात 12 बजे ही नववर्ष प्रारंभ मान लिया जाता है जो कि वैज्ञानिक नहीं है। दिन और रात को मिलाकर ही एक दिवस पूर्ण होता है। दिवस का प्रारंभ सूर्योदय से होता है और अगले सूर्योदय तक यह चलता है। सूर्यास्त को दिन और रात का संधिकाल मना जाता है।

**5. सूर्य, चंद्र और नक्षत्र**

हिन्दू कैलेंडर सौरमास, नक्षत्रमास, सावन माह और चंद्रमास पर आधारित है। मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क आदि सौरवर्ष के माह हैं। यह 365 दिनों का है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ आदि चंद्रवर्ष के माह हैं। चंद्र वर्ष 354 दिनों का होता है, जो चैत्र माह से शुरू होता है। सौरमास 365 दिन का और चंद्रमास 355 दिन का होने से प्रतिवर्ष 10 दिन का अंतर आ जाता है। इन दस दिनों को चंद्रमास ही माना जाता है। फिर भी ऐसे बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिमास कहते हैं। तीसरा नक्षत्रमाह होता है। लगभग 27 दिनों का एक नक्षत्रमास होता है। नक्षत्रमास चित्रा नक्षत्र से प्रारंभ होता है। चित्रा नक्षत्र चैत्र मास में प्रारंभ होता है। सावन वर्ष 360 दिनों का होता है। इसमें एक माह की अवधि पूरे तीस दिन की होती है।

**6. क्यों कहते हैं नवसंवत्सर**

जैसे बारह माह होते हैं उसी तरह 60 संवत्सर होते हैं। संवत्सर अर्थात बारह महीने का कालविशेष। सूर्यसिद्धान्त अनुसार संवत्सर बृहस्पति ग्रह के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं। 60 संवत्सरों में 20-20-20 के तीन हिस्से हैं जिनको ब्रह्मविंशति (1-20), विष्णुविंशति (21-40) और शिवविंशति (41-60) कहते हैं।

♆बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि साठ वर्षों में बारह युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में पांच-पांच वत्सर होते हैं। बारह युगों के नाम हैं– प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो पांच वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और पांचवा युगवत्सर है। 12 वर्ष बृहस्पति वर्ष माना गया है। बृहस्पति के उदय और अस्त के क्रम से इस वर्ष की गणना की जाती है। इसमें 60 विभिन्न नामों के 361 दिन के वर्ष माने गए हैं। बृहस्पति के राशि बदलने से इसका आरंभ माना जाता है।

**60 संवत्सर**

♆ संवत्सर को वर्ष कहते हैं ● प्रत्येक वर्ष का अलग नाम होता है। कुल 60 वर्ष होते हैं तो एक चक्र पूरा हो जाता है। इनके नाम इस प्रकार हैं:- प्रभव, विभव, शुक्ल, प्रमोद, प्रजापति, अंगिरा, श्रीमुख, भाव, युवा, धाता, ईश्वर, बहुधान्य, प्रमाथी, विक्रम, वृषप्रजा, चित्रभानु, सुभानु, तारण, पार्थिव, अव्यय, सर्वजीत, सर्वधारी, विरोधी, विकृति, खर, नंदन, विजय, जय, मन्मथ, दुर्मुख, हेमलम्बी, विलम्बी, विकारी, शार्वरी, प्लव, शुभकृत, शोभकृत, क्रोधी, विश्वावसु, पराभव, प्लवंग, कीलक, सौम्य, साधारण, विरोधकृत, परिधावी, प्रमादी, आनंद, राक्षस, नल, पिंगल, काल, सिद्धार्थ, रौद्रि, दुर्मति, दुन्दुभी, रूधिरोद्गारी, रक्ताक्षी, क्रोधन और अक्षय।

**7. पांचांग**

उक्त सभी कैलेंडर पंचांग पर आधारित है। पंचांग के पांच अंग हैं- 1. तिथि, 2. नक्षत्र, 3. योग, 4. करण, 5. वार (सप्ताह के सात दिनों के नाम)। भारत में प्राचलित श्रीकृष्ण संवत, विक्रम संवत और शक संवत सभी उक्त काल गणना और पंचांग पर ही आधारित है।

**हिंदू नववर्ष उत्सव के पीछे का विज्ञान**

राष्ट्रीय चेतना के ऋषि स्वामी विवेकानन्द ने कहा था- यदि हमें गौरव से जीने की भावना जागृत करनी है, यदि हम अपने हृदय में देशभक्ति के बीज बोना चाहते हैं तो हमें हिन्दू राष्ट्रीय पंचांग की तिथियों का आश्रय लेना होगा। जो कोई भी विदेशियों की तिथियों पर निर्भर रहता है वह गुलाम बन जाता है और आत्म-सम्मान खो देता है।

इस शुभ दिन पर प्रख्यात गणितज्ञ भास्कराचार्य ने सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, माह और वर्ष की गणना करके प्रथम भारतीय पंचांग बनाया था। जहां अन्य देशों में नववर्ष मनाने का आधार किसी व्यक्ति, घटना या स्थान से जुड़ा होता है और विदेशी लोग अपने देश की सामाजिक और धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार इसे मनाते हैं, वहीं हमारा भारतीय नववर्ष ब्रह्मांड के शाश्वत तत्वों से जुड़ा हुआ है। ग्रहों की चाल पर आधारित हमारा नववर्ष सबसे विशिष्ट और वैज्ञानिक है।

भारतीय संस्कृति या सनातन संस्कृति एक सुंदर, तार्किक, ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक सभ्यता है। महात्मा गांधी के अनुसार, किसी राष्ट्र की संस्कृति उसके लोगों के दिलों और आत्मा में होती है। यह पूरी तरह से सटीक है क्योंकि ऐसी कई चीजें या प्रथाएँ हैं जिनका हम सदियों से पालन करते आ रहे हैं।

जैसा कि हम हिंदू नववर्ष मनाते हैं, आइए हिंदू कैलेंडर के पीछे के विज्ञान को देखें। भारत में खगोल विज्ञान की एक लंबी परंपरा है, हालांकि नियमित ऐतिहासिक दस्तावेजों की कमी के कारण इसके विकास का पता लगाना मुश्किल है। प्राचीन लेखन में पाए जाने वाले खगोलीय संदर्भों की व्याख्या की जानी चाहिए। भारतीय खगोल विज्ञान 1400 ईसा पूर्व से पहले फला-फूला, जो बेबीलोनियन खगोल विज्ञान (जो पाँचवीं शताब्दी में समृद्ध हुआ) से कहीं पुराना है। तिथियाँ (तारीखें) और नक्षत्र (तारे, तारा समूह या क्षुद्रग्रह) प्रारंभिक वैदिक खगोल विज्ञान में अवधारणाएँ थीं। पाँचवीं शताब्दी में आर्यभट्ट सहित कई खगोलविदों ने वर्तमान पंचांग (कैलेंडर) का निर्माण और परिशोधन किया।

हिंदू नववर्ष चंद्र-सौर कैलेंडर पर आधारित है, जिसका सीधा संबंध मानव शरीर की संरचना से है। भारतीय कैलेंडर न केवल सांस्कृतिक रूप से, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपको ग्रहों की चाल से जोड़ता है। वसंत ऋतु की शुरुआत प्रतिपदा से होती है, जो आनंद, उत्साह और उल्लास से भरी होती है, साथ ही चारों ओर फूलों की खुशबू होती है। यह वह समय भी होता है जब फसल पकने लगती है, जिससे किसान अपनी मेहनत का फल प्राप्त कर सकता है। नक्षत्र अनुकूल स्थिति में होते हैं। यानी किसी भी काम को शुरू करने के लिए अनुकूल समय होता है। पृथ्वी के झुकाव के कारण हिंदू नववर्ष से शुरू होने वाली 21-दिवसीय अवधि के दौरान उत्तरी गोलार्ध को सूर्य की अधिकांश ऊर्जा प्राप्त होती है। हालांकि उच्च तापमान मनुष्यों के लिए असुविधाजनक हो सकता है, लेकिन यही वह समय होता है जब पृथ्वी की बैटरी चार्ज होती है।

बारह हिंदू मास (मासा, चंद्र मास) लगभग 354 दिनों के बराबर होते हैं, जबकि एक नक्षत्रीय (सौर) वर्ष की अवधि लगभग 365 दिन होती है। इससे लगभग ग्यारह दिनों का अंतर पैदा होता है, जो हर (29.53/10.63) = 2.71 वर्ष या लगभग हर 32.5 महीने में समाप्त हो जाता है। पुरुषोत्तम मास या अधिक मास एक अतिरिक्त महीना है जिसे चंद्र और सौर कैलेंडर को संरेखित रखने के लिए जोड़ा जाता है। बारह महीनों को छह चंद्र ऋतुओं में विभाजित किया गया है, जो कृषि चक्र, प्राकृतिक फूलों के खिलने, पत्तियों के गिरने और मौसम के साथ समयबद्ध हैं। चंद्र और सौर कैलेंडर के बीच बेमेल को ध्यान में रखते हुए, हिंदू विद्वानों ने अंतर-महीने को अपनाया, जहां एक विशेष महीना बस दोहराया जाता है। इस महीने का चयन यादृच्छिक नहीं था, बल्कि दो कैलेंडर को कृषि और प्रकृति के चक्र में वापस लाने के लिए समयबद्ध था।

इस दिन दुनिया भर में क्या हो रहा है और मानव शरीर विज्ञान और मानस में क्या चल रहा है, इस संदर्भ में उगादि को जनवरी की पहली तारीख के बजाय नया साल माना जाना कुछ हद तक प्रासंगिक है। उगादि चंद्र-सौर कैलेंडर का पालन करता है, जो मानव शरीर की संरचना से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। यह जानना दिलचस्प होगा कि भारतीय ज्योतिष के विद्वानों ने वैदिक युग में ही भविष्यवाणी कर दी थी कि सूर्य ग्रहण एक निश्चित दिन और एक निश्चित समय पर होगा। यह समय गणना युगों बाद भी पूरी तरह सटीक साबित हो रही है।

**सूर्योदय से होती है नववर्ष की शुरुआत**

♆नववर्ष का स्वागत रात्रि के अंधेरे में नहीं किया जाता। नववर्ष का स्वागत सूर्य की पहली किरण का स्वागत करके किया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर में नववर्ष की शुरुआत मध्य रात्रि 12 बजे मानी जाती है, जो वैज्ञानिक नहीं है। दिन और रात को मिलाकर ही एक दिन पूरा होता है। दिन की शुरुआत सूर्योदय से होती है और अगले सूर्योदय तक जारी रहती है। सूर्यास्त को दिन और रात के बीच का संक्रमण बिंदु माना जाता है। प्रकृति का नववर्ष मार्च में होता है, जब प्रकृति और पृथ्वी एक चक्र पूरा करते हैं। प्रकृति का चक्र जनवरी में समाप्त नहीं होता। नववर्ष तब शुरू होता है, जब पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है और दूसरे चक्र के लिए सूर्य की परिक्रमा करती है। नया साल प्रकृति में जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक है। वसंत ऋतु आती है। चैत्र अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मार्च और अप्रैल के बीच होता है। 21 मार्च को पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक चक्कर पूरा करती है, और दिन और रात की लंबाई बराबर होती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी पर प्राकृतिक नववर्ष इसी दिन से शुरू होता है।

हमारे शास्त्रों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि ब्रह्मांड के विभिन्न क्षेत्रों में समय की गति अलग-अलग होती है। आप देख सकते हैं कि प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन ने 'समय और स्थान' के अपने सिद्धांत में यही बात खोजी थी।

**हिंदू नववर्ष के त्योहारों के बारे में जानकारी**

**गुड़ी पड़वा**

♆गुड़ी पड़वा, जिसे संवत्सर पड़वो (गोवा में हिंदू कोंकणी लोगों के बीच) के नाम से भी जाना जाता है, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन महाराष्ट्रीय लोगों द्वारा मनाया जाता है। यह चैत्र नवरात्रि का पहला दिन है, जिसे घटस्थापना या कलश स्थापना के नाम से भी जाना जाता है। "पड़वा" नाम संस्कृत शब्द "प्रतिपदा" से आया है, जो चंद्र महीने के पहले दिन को संदर्भित करता है।

इस दिन, एक सुशोभित गुड़ी को फहराया जाता है और उसकी पूजा की जाती है, जिससे इस आयोजन का नाम पड़ा है। यह आयोजन रबी मौसम के अंत में होता है। यह हिंदू चंद्र कैलेंडर के साढ़े तीन पवित्र दिनों में से एक है। अन्य संबंधित मुहूर्त दिनों में अक्षय तृतीया, विजयादशमी (या दशहरा) और बलिप्रतिपदा शामिल हैं।

**उगादी**

♆तेलुगु और कन्नड़ हिंदू कैलेंडर के अनुसार, उगादी, युगादी या संवत्सरदी चैत्र के महीने में चंद्रमा के बढ़ते चरण के पहले दिन मनाया जाता है। उगादी या युगादी शब्द संस्कृत के मूल शब्दों युग या "आयु" और आदि से लिया गया है, जिसका अर्थ है "शुरुआत"; जब संयुक्त होते हैं, तो ये शब्द "एक नए युग की शुरुआत" का संकेत देते हैं। युगादी नाम विशेष रूप से वर्तमान अवधि या युग की शुरुआत से संबंधित है, जिसे कलियुग के रूप में जाना जाता है।

उगादी आने वाले वर्ष में जीवन को स्वीकार करने और उसकी सराहना करने का प्रतिनिधित्व करता है, जो खुशी, दुख, क्रोध, भय, घृणा और आश्चर्य सहित अच्छे और बुरे अनुभवों का एक विविध संयोजन होगा। नीम का उपयोग दुःख को दर्शाने के लिए किया जाता है क्योंकि इसका स्वाद कड़वा होता है। गुड़ और पके केले स्वादिष्ट संतोष का प्रतिनिधित्व करते हैं। हरी मिर्च और काली मिर्च तीखी होती है, जो क्रोध का संकेत देती है। नमक भय का प्रतीक है, जबकि खट्टा इमली का रस घृणा का प्रतिनिधित्व करता है। कच्चे आम का उपयोग अक्सर इसके खट्टेपन के लिए किया जाता है, जो आश्चर्य की भावना जोड़ता है। पूर्व की हर चीज़ की तरह यह कैलेंडर भी इस बात पर आधारित है कि यह मानव शरीर क्रिया और अनुभूति को कैसे प्रभावित करता है। उगादी के पीछे एक विज्ञान है जो कई अलग-अलग तरीकों से मानव कल्याण को बढ़ाता है।

**बैसाखी**

वैसाखी, जिसे बैसाखी के नाम से भी जाना जाता है, वैसाख महीने के पहले दिन (पंजाब सौर कैलेंडर के अनुसार) मनाया जाने वाला एक पंजाबी फसल उत्सव है। पंजाब का सिख समुदाय उस दिन को याद करता है जब गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा की स्थापना की थी।

**विशु**

♆केरल की हरी-भरी धरती अप्रैल में अपना नया साल मनाती है। दिन की शुरुआत विशु कानी के पहले दर्शन से होती है, जिसमें फलों, सब्जियों और फूलों को शीशे से खोला जाता है।

**पुथंडू**

♆पारंपरिक तमिल नव वर्ष 13 या 14 अप्रैल को, महीने के मध्य में, या 1 अप्रैल को शुरू होता है। इस आयोजन के दौरान, लोग एक-दूसरे को "पुथंडू वज़थुकल" कहकर बधाई देते हैं, जिसका अर्थ है नव वर्ष की शुभकामनाएँ। कच्चे आम, नीम और गुड़ से तैयार की जाने वाली मंगई पचड़ी इस त्यौहार का खास व्यंजन है।

**नवरेह**

♆कश्मीर में यह नया साल चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से शुरू होता है, जो शिवरात्रि जितना ही महत्वपूर्ण है। गुड़ी पर्व, उगादि और अन्य कार्यक्रम नए साल की शुरुआत के रूप में जबरदस्त उत्साह और पवित्रता के साथ मनाए जाते हैं।

**बिहू**

असम एक समृद्ध क्षेत्र है जो नीले पहाड़ों से घिरा है और महान ब्रह्मपुत्र नदी से पोषित है। कृषि यहाँ के लोगों की प्राथमिक गतिविधि है, और पूरी सभ्यता कृषि प्रधान है। बिहू उत्सव असमिया लोगों को एक अलग पहचान देता है और उन्हें राष्ट्रीय इतिहास में अलग पहचान देता है। बिहू न केवल असम की प्राथमिक पहचान है, बल्कि यह एक फसल उत्सव भी है। कृषि कैलेंडर में महत्वपूर्ण तिथियों के दौरान इसे तीन बार मनाया जाता है।

**पोइला बैसाख**

♆बांग्ला कैलेंडर के पहले दिन बंगाली लोग "पोइला बैसाख" मनाते हैं। यह बंगालियों के लिए नए साल की शुरुआत है, और यह नई शुरुआत, खुशी के जश्न और सांस्कृतिक गतिविधियों का समय है। इस दिन का धार्मिक और सांस्कृतिक दोनों तरह से महत्व है, और इसे पारंपरिक रीति-रिवाजों, खाने-पीने और रंगारंग समारोहों के साथ मनाया जाता है। यह लोगों के इकट्ठा होने, खुशियों का आदान-प्रदान करने और अगले साल के लिए समर्थन मांगने का समय है।

*आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ!!*

# सीएम केजरीवाल से पत्नी सुनीता ने तिहाड़ जेल में की मुलाकात, मुख्यमंत्री के पीए विभव कुमार भी रहे साथ

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने उनकी पत्नी सुनीता मंगलवार को तिहाड़ जेल पहुंची। उनके साथ मुख्यमंत्री केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार भी साथ रहे। तीनों के बीच करीब आधे घंटे मुलाकात हुई। सीएम केजरीवाल से जेल में उनकी पत्नी के साथ यह पहली मुलाकात है। इससे पहले दोनों के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत हुई थी।

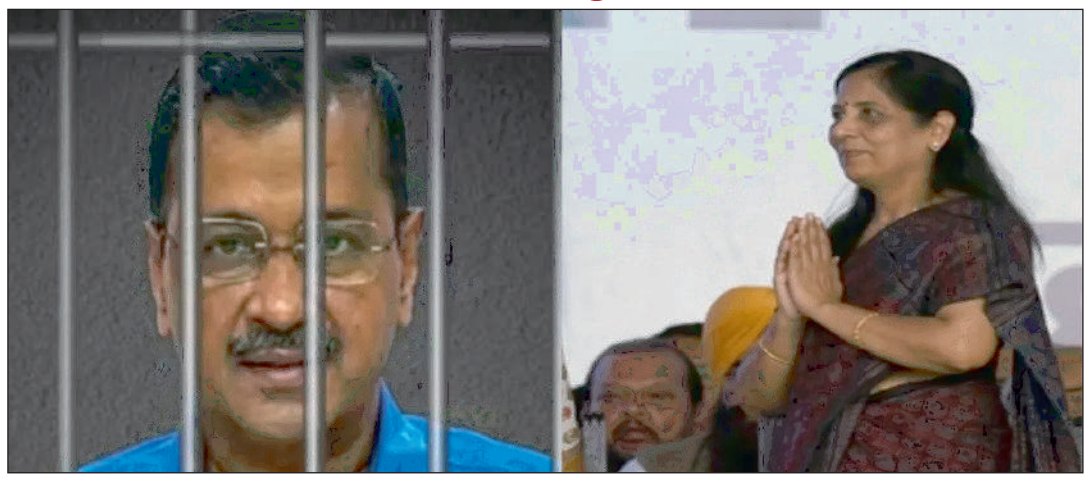

**पश्चिमी दिल्ली।** आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामले में जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल तिहाड़ पहुंची। मुख्यमंत्री से उनकी पत्नी के अलावा उनके निजी सचिव विभव कुमार ने भी मुलाकात की।

**करीब आधे घंटे की हुई मुलाकात**

तीनों के बीच करीब आधे घंटे मुलाकात हुई। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जेल में पत्नी से यह पहली मुलाकात है। इसके पहले मुख्यमंत्री की पत्नी से मुलाकात हुई, लेकिन वह वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुई थी। जेल अधिकारी ने बताया कि जेल मैनुअल के अनुसार, एक कैदी जेल में सप्ताह में दो बार मुलाकातियों से भौतिक रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मिल सकता है।

**जंगले पर होती है कैदियों की मुलाकात**

उन्हें मिलने से पहले मुलाकातियों के नाम बताने होंगे। यह मुलाकात जंगले पर होती है। जंगला जेल के अंदर एक कमरे में बना होता है। इस कमरे में कैदी व मुलाकाती दोनों आमने सामने होते हैं, लेकिन इनके बीच एक पारदर्शी दीवार होती है। माइक्रोफोन के माध्यम से यहां बातचीत होती है।

**हाई कोर्ट से केजरीवाल को झटका**

केजरीवाल ने अब तक पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत छह लोगों के नाम दिए हैं, जिनसे वह जेलों में बात कर सकते हैं या मिल सकते हैं। बता दें कि आज ही दिल्ली हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को झटका देते हुए गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी।

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ईडी द्वारा इकट्ठा की गई सामग्री से पता चलता है कि अरविंद केजरीवाल ने साजिश रची थी। केजरीवाल अपराध की आय के उपयोग और छिपाने में सक्रिय रूप से शामिल थे। ईडी के मामले से यह भी पता चलता है कि वह निजी तौर पर आम आदमी पार्टी के संयोजक के तौर पर भी शामिल थे।

# हाईकोर्ट के फैसले से आप असहमत, अब केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत की उम्मीद; सौरभ बोले- यह राजनीतिक साजिश...

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली हाई कोर्ट से झटके के बाद अब आप को सुप्रीम कोर्ट से राहत की उम्मीद है। हाई कोर्ट से गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका खारिज होने के बाद मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि न्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल को उसी तरह राहत देगा जैसे उसने हाल ही में आप से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जमानत दी थी।

**नई दिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय से कोई राहत नहीं मिलने पर आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाएंगे। आप ने कहा है कि आबकारी मामला पार्टी को ख़त्म करने की देश की सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश है।

**SC से राहत की उम्मीद- सौरभ**

आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हाई कोर्ट के आदेश के तुरंत प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल को उसी तरह राहत देगा, जैसे उसने हाल ही में आप से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जमानत दी थी। भारद्वाज ने कहा कि हम हाई कोर्ट का सम्मान करते हैं, लेकिन हम सम्मानपूर्वक कहते हैं कि हम उसके आदेश से सहमत नहीं हैं और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

**पार्टी को खत्म करने की साजिश**

उन्होंने आरोप लगाया कि तथाकथित आबकारी नीति घोटाला पार्टी और केजरीवाल को खत्म करने की सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश है। उन्होंने दावा किया कि ईडी और सीबीआई मामले में अवैध धन का एक रुपया भी बरामद करने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि पूरा मामला मनी लान्ड्रिंग से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश है।

यह दिल्ली और पंजाब में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आप सरकारों को कुचलने और खत्म करने की साजिश है। आप नेता जस्मिन शाह ने कहा कि जांच दो साल से चल रही है, लेकिन एक पैसा भी बरामद नहीं हुआ है, लेकिन क्या होता है? आप एक राष्ट्रीय पार्टी के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार करते हैं और उन्हें जेल में डाल देते हैं।

# संजय सिंह कल जाएंगे तिहाड़ जेल, CM केजरीवाल से करेंगे मुलाकात; भगवंत मान भी रहेंगे साथ

परिवहन विशेष न्यूज

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने तिहाड़ जेल जाएंगे। इस दौरान उनके साथ आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह भी होंगे। यह दोनों दोपहर एक बजे उनसे मुलाकात करेंगे। सीएम केजरीवाल तिहाड़ जेल संख्या 5 में बंद हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी।

**नई दिल्ली।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने तिहाड़ जेल जाएंगे। इस दौरान उनके साथ आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह भी होंगे। यह दोनों दोपहर एक बजे उनसे मुलाकात करेंगे। सीएम केजरीवाल तिहाड़ जेल संख्या 5 में बंद हैं।

**सुनवाई के दौरान कोर्ट ने क्या कहा**

अदालत ने कहा कि ईडी द्वारा एकत्र की गई सामग्री से पता चलता है कि अरविंद केजरीवाल ने साजिश रची थी और अपराध की आय के उपयोग और छिपाने में सक्रिय रूप से शामिल थे। ईडी के मामले से यह भी पता चलता है कि वह निजी तौर पर आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक के तौर पर भी शामिल थे।

अदालत ने कहा कि वर्तमान मामले में कई बयानों के बीच राघव मगुंटा और सरथ रेड्डी के बयान हैं, जो पीएमएलए के साथ-साथ धारा 164 सीआरपीसी के तहत दर्ज किए गए थे। अदालत ने कहा कि सरकारी गवाह के बयान दर्ज करने के तरीके पर संदेह करना न्यायालय और न्यायाधीश पर आक्षेप लगाना होगा।

अदालत ने कहा कि सरकारी गवाह संबंधी कानून एक साल से नहीं, बल्कि 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह नहीं कहा जा सकता कि इसे वर्तमान याचिकाकर्ता (केजरीवाल) को फंसाने के लिए बनाया गया था। दस्तावेज की आपूर्ति नहीं करने के बिंदु पर अदालत ने कहा कि केजरीवाल कानून के मुताबिक दस्तावेज पाने के हकदार होंगे।

# रोहिणी में मुनक नहर के किनारे पड़ा था युवक का शव, नोंच-नोंचकर खा रहे थे कुत्ते; हत्या की आशंका

सोमवार की सुबह कुछ लोग रोहिणी सेक्टर-28 के पास से गुजर रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि नहर किनारे एक युवक का शव पड़ा है जिसे कुत्ते नोंच कर खा रहे हैं। शोर मचाने पर काफी लोग यहां जमा हो गए। पहले लोगों ने यहां से कुत्तों को भगाया। मृतक युवक के पास शिनाख्ती कागजात भी नहीं मिले हैं जिससे की मृतक की शिनाख्त की जा सके।

**दिल्ली।** रोहिणी सेक्टर-28 के पास से गुजर रही मुनक नहर के किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव को कुत्ते नोचते हुए देख राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची शाहबाद डेरी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है।

**मृतक की नहीं हो सकी शिनाख्त**

पुलिस अधिकारी के मुताबिक मृतक की उम्र 35 से 40 साल के बीच है। शरीर पर कपड़े नहीं मिले हैं। इसके साथ ही कोई शिनाख्ती कागजात भी नहीं मिले हैं, जिससे की मृतक की शिनाख्त की जा सके। पुलिस टीम शव की शिनाख्त में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार की सुबह कुछ लोग रोहिणी सेक्टर-28 के पास से गुजर रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि नहर किनारे एक युवक का शव पड़ा है, जिसे कुत्ते नोंच कर खा रहे हैं। शोर मचाने पर काफी लोग यहां जमा हो गए। पहले लोगों ने यहां से कुत्तों को भगाया। फिर इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी।

# दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर थानाध्यक्ष की कार में मारी टक्कर, हेड कॉन्स्टेबल घायल; आरोपित फरार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर एक शख्स ने मधु विहार थानाध्यक्ष की सरकारी स्कोर्पियो कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने पर दोनों कारें क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस को जांच में पता चला कि जिस कार से हादसा हुआ है वह दिल्ली हाई कोर्ट के वकील की है। हादसे के वक्त उसका चालक कार चला रहा था। कार लेकर दिल्ली से गाजियाबाद जा रहा था।

**पूर्वी दिल्ली।** दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर एक शख्स ने मधु विहार थानाध्यक्ष की सरकारी स्कॉर्पियो कार में टक्कर मार दी। हादसे में थानाध्यक्ष बाल-बाल बच गए, जबकि उनका कार चालक हेड कॉन्स्टेबल मनोज घायल हो गया।

**कार एक टायर भी फटा**

हादसे के बाद आरोपित भाग गया। टक्कर लगने से थानाध्यक्ष की कार क्षतिग्रस्त होने के साथ ही एक टायर भी फट गया। प्रधानमंत्री के रूट के चलते पुलिस की टीम एक्सप्रेस-वे पर गश्त कर रही थी। घायल मनोज कुमार को एलबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया, प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी।

**आरोपित की स्कॉर्पियों बरामद**

पांडव नगर थाने ने प्राथमिकी पंजीकृत कर आरोपित की स्कॉर्पियो कार बरामद कर ली है। आरोपित की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि छह अप्रैल को दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर प्रधानमंत्री का रूट लगा हुआ था। मधु विहार थानाध्यक्ष अरुण कुमार अपनी टीम के साथ गश्त कर रहे थे।

**हाई कोर्ट के वकील की है कार**

जब वह समसपुर जागीर के पास लगे दिल्ली पुलिस के पिकेट के पास पहुंचे, तभी सराय काले खां की तरफ से आ रही स्कॉर्पियो कार ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने पर दोनों कारें क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस को जांच में पता चला कि जिस कार से हादसा हुआ है, वह दिल्ली हाई कोर्ट के वकील की है। हादसे के वक्त उसका चालक कार चला रहा था। कार लेकर दिल्ली से गाजियाबाद जा रहा था।

# भीषण गर्मी बिगाड़ रही सेहत, मौसम विभाग ने शुरू किया हीटवेव इंडेक्स

परिवहन विशेष न्यूज

अप्रैल के शुरुआती हफ्ते में भीषण गर्मी का प्रकोप देश के कई हिस्सों में दिखने में लगा है। मध्य और दक्षिण भारत के कई हिस्सों के लिए मौसम विभाग ने हीटवेव जैसी स्थितियों का अलर्ट भी जारी किया है। स्थिति की गंभीरता का आंकलन करते हुए मौसम विभाग ने हीट इंडेक्स शुरू किया है। यह इंडेक्स आगाह करेगा कि मौजूदा समय में गर्मी का स्तर कितना जानलेवा है।

**नई दिल्ली।** अप्रैल माह के शुरुआती हफ्ते में हीटवेव का प्रकोप देश के कई हिस्सों में दिखने में लगा है। मध्य और दक्षिण भारत के कई हिस्सों के लिए मौसम विभाग ने हीटवेव जैसी स्थितियों का अलर्ट भी जारी किया है। बढ़ती गर्मी और हीटवेव के चलते बीते कुछ सालों में देश में मौतें बढ़ी है। कई वैज्ञानिक रिपोर्ट इस बात की तसदीक करती है कि हीटवेव से हीटस्ट्रोक, हृदयाघात, ब्रेन हैमरेज, बेहोशी की स्थिति होना जैसी बीमारियां बढ़ी है। साइंस डायरेक्ट में प्रकाशित एक अध्ययन में सामने आया कि हीटवेव जैसी स्थितियां एक दिन दर्ज होती हैं तो दैनिक मृत्यु दर में 12.2% की वृद्धि होती है। यह अध्ययन भारत सहित दुनिया के कई वैज्ञानिकों की ओर से 'भारत में मृत्यु दर पर हीटवेव का प्रभाव' विषय पर देश देश 10 बड़े शहरों के डेटा पर किया गया। इन शहरों में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरू, अहमदाबाद, पुणे, वाराणसी, शिमला और कोलकाता शामिल थे। स्थिति की गंभीरता का आंकलन करते हुए मौसम विभाग ने हीट इंडेक्स शुरू किया है। यह हीट इंडेक्स आपको आगाह करता रहेगा कि मौजूदा समय में गर्मी का स्तर कितना जानलेवा है।

# दिल्ली के कनाट प्लेस से 20 लाख रुपये के साथ दो गिरफ्तार, हवाला के जरिए कनाडा भेजी जानी थी रकम

परिवहन विशेष न्यूज

पूछताछ से पता चला कि दोनों शख्स हरियाणा के रहने वाले हैं और ट्रेवल एजेंट के व्यवसाय से जुड़े हैं। इन्हें किसी शख्स को उक्त रकम देने को कहा गया था। इनके पास से एक दस रुपये का नोट बरामद हुआ जिसपर किसी व्यक्ति का हस्ताक्षर था। पुलिस ने जीप कम्पास भी जब्त कर ली है। दोनों को हिरासत में लेकर आयकर विभाग पूछताछ कर रहा है।

**नई दिल्ली।** कनाट प्लेस थाना पुलिस ने सोमवार रात कनाट प्लेस इनर सर्किल में मेट्रो गेट नंबर पांच के पास जीप कम्पास सवार दो शख्स को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से 20 लाख रुपये बरामद किए हैं। कनाट थाने में तैनात एक हवलदार की सूचना पर दोनों को दबोच लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद नई दिल्ली जिला पुलिस ने आयकर विभाग को दोनों शख्स को सौंप दिया।

**कनाडा भेजी जानी थी रकम**

इसकी सूचना चुनाव आयोग को भी दे दी गई है। जांच से पुलिस को अंदेशा है कि बरामद की गई रकम हवाला की हो सकती है, जो एक ट्रेवल एजेंट के जरिये कनाडा भेजी जानी थी। हवाला कारोबारियों के तार हरियाणा व कनाडा से जुड़े हुए हैं। चुनाव आयोग के दिशा निर्देश पर कनाट प्लेस थाना पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। बाइक सवार पुलिसकर्मी लगातार गश्त कर रहे हैं।

सोमवार रात करीब साढे आठ बजे गश्त के दौरान ही हवलदार प्रदीप को सूचना मिली कि कुछ लोग हवाला की रकम लेकर मेट्रो गेट नंबर पांच के पास आने वाले हैं। एसएचओ संजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने वहां जांच शुरू कर दी। कुछ ही देर में वहां हरियाणा नंबर की जीप कम्पास से दो शख्स पहुंच गए। वे लोग जीप कम्पास से नीचे उतर कर रुपयों से भरा बैग लेकर किसी शख्स के आने का इंतजार करने लगे।

**आरोपितों के पास 10 रुपये का नोट मिला**

तभी पुलिसकर्मियों ने दोनों को पकड़ लिया। बैग की तलाशी लेने पर 20 लाख रुपये बरामद हुए। पूछताछ से पता चला कि दोनों शख्स हरियाणा के रहने वाले हैं और ट्रेवल एजेंट के व्यवसाय से जुड़े हैं। इन्हें किसी शख्स को उक्त रकम देने को कहा गया था। इनके पास से एक दस रुपये का नोट बरामद हुआ, जिसपर किसी व्यक्ति का हस्ताक्षर था।

उक्त रकम जिन्हें सौंपी जानी थी, उसके द्वारा हस्ताक्षर युक्त दस रुपये का नोट दिखाने पर ही उसे रकम दी जाती, लेकिन उसके वहां से पहले पुलिसकर्मियों ने दोनों को दबोच लिया। मामले की सूचना नई दिल्ली दिल्ली जिले के डीसीपी देवेश महला को दी गई। जिसके बाद एडिशनल डीसीपी रविकांत को मौके पर भेजा गया। छानबीन के बाद उक्त रकम हवाला की होने के शक पर चुनाव आयोग व आयकर विभाग को सूचित कर मौके पर बुला लिया।

पुलिस ने जीप कम्पास भी जब्त कर ली है। दोनों को हिरासत में लेकर आयकर विभाग पूछताछ कर रहा है। चुनाव आयोग के अधिकारी भी उनसे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उक्त रकम किसी राजनीति पार्टी व नेताओं के तो नहीं हैं जिसे चुनाव में इस्तेमाल करने के लिए ले जाया जा रहा हो। सभी एजेंसियां दोनों से गहन पूछताछ कर रही है।

# इस बार मानसून में अच्छी होगी बारिश, लेकिन इन राज्यों में वर्षा कम; मौसम विभाग ने जारी किया पूर्वानुमान

इस वर्ष मानसून सामान्य रहेगा। इसलिए मानसून में वर्षा अच्छी होगी। यह किसानों के लिए अच्छी खबर हो सकती है लेकिन बिहार झारखंड ओडिशा और पश्चिम बंगाल में वर्षा कम होने की संभावना है। स्काईमेट ने मानसून का यह पूर्वानुमान जारी किया जिसमें कहा गया है कि इस बार जून से सितंबर के बीच चार माह मानसून के दौरान सामान्य से 102 प्रतिशत वर्षा होने की संभावना है।

**नई दिल्ली।** इस वर्ष मानसून सामान्य रहेगा। इसलिए मानसून में वर्षा अच्छी होगी। यह किसानों के लिए अच्छी खबर हो सकती है लेकिन बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में वर्षा कम होने की संभावना है। स्काईमेट ने मानसून का यह पूर्वानुमान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि इस बार जून से सितंबर के बीच चार माह मानसून के दौरान सामान्य से 102 प्रतिशत वर्षा होने की संभावना है।

**ला नीना हो रहा मजबूत**

स्काईमेट के प्रबंध निदेशक जतिन सिंह ने बताया कि अल नीनो कमजोर हो रहा है और ला नीना मजबूत हो रहा है। इसलिए इस वर्ष मानसून सामान्य रहने और दो प्रतिशत अधिक वर्षा होने की संभावना है। दक्षिण, पश्चिम और उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में अच्छी वर्षा होगी।

**जानिए कहां कमजोर रहेगा मानसून**

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के प्रमुख मानसून वर्षा आधारित क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा होने की संभावना है। जुलाई व अगस्त में जिस वक्त मानसून चरम पर होता है उस दौरान बिहार, झारखंड, ओडिशा व पश्चिम बंगाल में वर्षा कम होने की संभावना है। उत्तर पूर्वी राज्यों में मानसून के शुरुआती आधे सीजन में मानसून कमजोर रहने की संभावना है।

**इसलिए मानसून अच्छी स्थिति में होगा**

स्काईमेट के विशेषज्ञ महेश पलावत ने बताया कि ला नीना मजबूत होने से पूर्वी प्रशांत महासागर क्षेत्र में तापमान कम और पश्चिमी प्रशांत महासागर क्षेत्र में तापमान अधिक होता है।

## कार की टक्कर से ओला स्कूटी सवार युवती की मौत, आईटी कंपनी में करती थी नौकरी

एवीएल सोसायटी के लिए ओला राइडर स्कूटी से जा रही युवती की कार की टक्कर से मौत हो गई। घटना में तनुश्री और सत्येंद्र दोनों को काफी चोटें आईं। आसपास के लोग दोनों को नागरिक अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने तनुश्री को मृत घोषित कर दिया। सेक्टर 37 थाना पुलिस ने बताया कि 29 वर्षीय तनुश्री मूल रूप से उत्तराखंड के देहरादून की रहने वाली थीं।

**गुरुग्राम।** सेक्टर 49 से सेक्टर 37 की एवीएल सोसायटी के लिए ओला राइडर स्कूटी से जा रही युवती की कार की टक्कर से मौत हो गई। स्कूटी चालक को भी चोटें आई हैं। सेक्टर 37 थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कार चालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। ओला राइडर बादशाहपुर निवासी सत्येंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम करीब सात बजे तनुश्री ने सेक्टर 49 के आइटी पार्क से एवीएल सोसायटी जाने के लिए राइड बुक की थी। जब वह उन्हें लेकर जा रहे थे तो सोसायटी के पास ही पीछे से तेज रफ्तार आई कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी।

घटना में तनुश्री और सत्येंद्र दोनों को काफी चोटें आईं। आसपास के लोग दोनों को नागरिक अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने तनुश्री को मृत घोषित कर दिया।

सेक्टर 37 थाना पुलिस ने बताया कि 29 वर्षीय तनुश्री मूल रूप से उत्तराखंड के देहरादून की रहने वाली थीं। वहां यहां एवीएल सोसायटी में रहती थीं और निजी आईटी कंपनी में नौकरी करती थीं। उनके स्वजन को घटना की सूचना दी गई है।

# गाजियाबाद में अमेरिकन बुली कुत्ते के हमले में युवक लहूलुहान, 42 सेकेंड चले संघर्ष का वीडियो वायरल

परिवहन विशेष न्यूज

वैशाली सेक्टर-तीन की 32 मीटर कॉलोनी में अमेरिकन बुली कुत्ते ने युवक को नीचे गिराकर नोंचा। उसे बुरी तरह काटकर घायल कर दिया है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। युवक को दिल्ली के हेडगेवार अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है। करीब 42 सेकेंड के सीसीटीवी फुटेज में कुत्ता लगातार युवक को काट रहा है।

**गाजियाबाद।** वैशाली सेक्टर-तीन की 32 मीटर कॉलोनी में अमेरिकन बुली कुत्ते ने युवक को नीचे गिराकर नोंचा। उसे बुरी तरह काटकर घायल कर दिया है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

युवक को दिल्ली के हेडगेवार अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। करीब 42 सेकेंड के सीसीटीवी फुटेज में कुत्ता लगातार युवक को काट रहा है।

### शरीर के कई हिस्सों पर काटा

कॉलोनी में रहने वाले युसूफ अली ने बताया कि मंगलवार को दोपहर करीब 4:32 बजे उनका 18 वर्षीय बेटा अल्ताफ बाहर से घूमकर घर के लिए आ रहा था। जैसे ही कॉलोनी के गेट पर पहुंचा तो कुत्ते ने हमला कर दिया। काफी देर तक कुत्ता बेटे को नोंचता रहा। कुत्ते ने हाथ, पैर, पेट समेत पूरे शरीर पर जख्म कर दिए हैं।

काफी मात्रा में खून भी बहा है। उन्होंने बताया कि घायल बेटे को वह नवीन अस्पताल समेत कई निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे, लेकिन उन्होंने भर्ती करने से मना कर दिया। रात में बेटे को दिल्ली के कड़कड़ मॉडल स्थित हेडगेवार अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मेडिकल कराकर इलाज शुरू कर दिया है। पिता का कहना है कि डॉक्टर ने करीब 40 हजार रुपये का एक इंजेक्शन बताया है। पिता युसूफ ने बताया कि वह गाजियाबाद से नोएडा-दिल्ली के लिए ऑटो चलाते हैं। बेटा भी आटो ही चलाकर गुजर बसर करता है। इसको लेकर नगर निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी आशीष त्रिपाठी को काल की लेकिन रिसीव नहीं हुई।

### सीसीटीवी कैमरे में घटनाक्रम हुआ कैद

कुत्ते के काटने का पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। कुत्ते ने युवक को कॉलोनी के गेट से काटना शुरू किया। कुत्ते ने युवक को पहले नीचे गिराया। इसके बाद काटना शुरू किया। युवक ने किसी तरह उठकर बचने की कोशिश की तो कुत्ते ने फिर से हमला कर दिया। इसके बाद वह उस से भागा लेकिन कुत्ते ने पीछा नहीं छोड़ा।

### डर के कारण लोग भी नहीं आए बचाने

लोग भी दूर से ही शोर मचाते रहे। लेकिन डर के कारण कोई भी आगे नहीं आया। लोगों से कुत्ते के ऊपर छत से पानी भी फेंका इसके बाद भी कुत्ता नहीं माना। लोगों का कहना है कि खतरनाक नस्ल का कुत्ता है इसीलिए बचाने के लिए आगे नहीं आए।

### दो दिन पहले आए थे किराएदार

युसूफ अली ने बताया कि वह कॉलोनी में किराए पर रहते हैं। दो दिन पहले यहां एक किराएदार आए हैं। उन्होंने एक खतरनाक कुत्ता पाल रखा है। वह रात में भी कुत्ते को घूमा रहे थे। इसको लेकर लोगों ने विरोध किया था, लेकिन इसके बाद भी कुत्ते को घूमाने से नहीं माना। लोगों ने बताया कि वह नगर निगम में पंजीकरण होने व कुत्ता पालने की अनुमति होने की बात कहता रहा।

### ये हैं नियम

सभी पालतू कुत्तों का पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।

एक फ्लैट मे अधिकतम दो कुत्ते पंजीकरण कराया जा सकते हैं।

पीटबुल, रॉटवीलर, डोगो अर्जेंटीनो सहित अन्य आक्रमक कुत्तों को पालने पर रोक

इन कुत्तों के पंजीकरण और ब्रीडिंग पर भी रोक लगी है।

कुत्ते को बाहर ले जाते समय उसे मजल लगानी होगी।

पार्क व लिफ्ट में कुत्ते को मजल लगी होनी चाहिए।

एओए को कुत्ता फीडिंग का स्थान तय करना होगा।

छह माह से कम उम्र के आक्रामक कुत्ते का निगम में शपथ पत्र देना होगा।

## नहर में नहाने पर रोक, हादसे रोकने के लिए नहरों के आसपास क्षेत्र में लगेगी धारा 144

सोनीपत के ककरोई से निकलने वाली इस नहर की लंबाई करीब 70 किलोमीटर है। महीने में औसत दो शव इस नहर से बसई टेल एंड पर बरामद होते हैं। नहरों में नहाने के दौरान होने वाले हादसों पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने पूरी तरह कमर कस ली है। जगह-जगह चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। इसके अलावा आसापास क्षेत्रों में धारा 144 लगाई जाएगी।

**बादशाहपुर।** शहर में जलापूर्ति के लिए सोनीपत के ककरोई से आने वाली दोनों नहरों के आसपास गर्मी के दो महीनों में धारा 144 लगाई जाएगी। नहरों में नहाने के दौरान होने वाले हादसों पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने पूरी तरह कमर कस ली है। नहर के आसपास के ग्रामीण और ग्राम पंचायत का भी हादसों को रोकने के लिए सहयोग लिया जाएगा।

### पुलिस को विभाग ने लिखा पत्र

सिंचाई विभाग ने पुलिस गश्त बढ़ाने के लिए पुलिस को पत्र लिखा है। साथ ही जगह-जगह चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। जलापूर्ति के लिए दो नहर गुड़गांव वाटर सप्लाई और एनसीआर चैनल के माध्यम से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी पहुंचता है। एनसीआर चैनल की जिले में चंदू वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक केवल पांच किलोमीटर की दूरी है।

इसमें कालियावास, बुढ़ेडा और चंदू गांव की सीमा लगती है। इस नहर की गहराई 12 से 15 फीट तक है। गहराई होने के कारण हादसों की आशंका भी ज्यादा रहती है। इसमें नहाने वालों की संख्या भी कम ही रहती है। गुड़गांव वाटर सप्लाई की जिला की सीमा में करीब 10 किलोमीटर लंबाई है। इस नहर की गहराई पांच से छह फीट तक है। इसमें गर्मी के मौसम में नहाने वालों की कई स्थानों पर काफी भीड़ रहती है।

### 70 KM है नहर की लंबाई

नहाने वालों के डूबने की घटनाएं भी अक्सर इस नहर में होती रहती है। सोनीपत के ककरोई से निकलने वाली इस नहर की लंबाई करीब 70 किलोमीटर है। महीने में औसत दो शव इस नहर से बसई टेल एंड पर बरामद होते हैं। बसई के पास इस नहर में जाल लगा हुआ है। पीछे से हादसा होने पर बहकर आने वाले शव इस जाल में अटक जाते हैं।

इस बार प्रशासन और सिंचाई विभाग हादसों पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठा रहे हैं। 15 किलोमीटर के दायरे में दोनों तरफ कर्मचारियों की गश्त बढ़ा दी गई है। 15 कर्मचारी लगातार गश्त पर रहेंगे। पुलिस को भी निगरानी रखने के लिए पत्र लिखा गया है। जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं।

*-यशपाल छिकारा, उपमंडल अभियंता, सिंचाई विभाग*

नहर पर नहाना, कपड़े धोना बिल्कुल गलत है। नहाते समय डूबने से और कपड़े आदि धोने के लिए जाने पर जरा सी लापरवाही से कोई भी हादसा हो सकता है। गर्मी के मौसम में नहर पर नहाने वालों पर रोक लगाने के लिए आसपास के क्षेत्र में धारा 144 लगाई जाएगी। लोगों से भी अपील है कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर कोई भी गैर कानूनी काम ना करें। आसपास की पंचायतों से लोगों को नहरों में नहाने के लिए रोकने के लिए सहयोग लिया जाएगा।

*-निशांत कुमार यादव, उपायुक्त, गुरुग्राम*

## मामूली विवाद में डिलीवरी ब्वॉय की हत्या कर शव नाले में फेंका, संदिग्धों से पुलिस की पूछताछ

एक युवक ने इलेक्ट्रिक सामान का ऑर्डर किया था। युवक द्वारा बताए गए स्थान पर स्वरूप कुमार सामान की डिलीवरी करने के लिए पहुंचा। सामान का ऑर्डर करने वाले युवक ने बताया कि उसने अपने दोस्त को एटीएम से पैसा निकालने के लिए भेज दिया। पैसे के लेनदेन को लेकर युवक और स्वरूप कुमार में कहासुनी होने लगी। युवक और उसके साथी ने डिलीवरी ब्वाय को लात-घूंसों से पीट दिया।

**नोएडा।** कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र के गांव छलेरा में मामूली विवाद में एक युवक ने डिलीवरी ब्वॉय की सिर में डंडा मारकर हत्या कर दी। यही नहीं दोस्तों की मदद से शव को घटना स्थल के पास नाले में फेंक दिया। एक दिन बाद शव की शिनाख्त होने पर पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

### नाले में था युवक का शव

डीसीपी विद्या सागर मिश्र ने बताया कि 8 अप्रैल की शाम गांव छलेरा स्थित नाले में अज्ञात युवक का शव मिला था। शव के पास से शिनाख्त संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिला था। पुलिस शिनाख्त के प्रयास कर रही थी। मंगलवार को सूचना मिली कि मृतक मूलरूप से बंगाल का रहने वाला है। उसका नाम स्वरूप कुमार है और वह वर्तमान में सेक्टर-73 स्थित गांव सर्फाबाद में किराए के कमरे में रहता था।

परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। पत्नी द्वारा शिनाख्त की गई। पत्नी ने बताया कि वह हरौला स्थित एक कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था। कंपनी से जानकारी मिली कि सात अप्रैल को छलेरा गांव में किराये पर रहने वाले एक युवक ने इलेक्ट्रिक सामान का ऑर्डर किया था। युवक द्वारा बताए गए स्थान पर स्वरूप कुमार सामान की डिलीवरी करने के लिए पहुंचा।

### विवाद पर डिलीवरी ब्वॉय को पीटा

इसके बाद पुलिस ने सामान का ऑर्डर करने वाले युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो पता चला कि उसने अपने दोस्त को एटीएम से पैसा निकालने के लिए भेज दिया। पैसे के लेनदेन को लेकर युवक और स्वरूप कुमार में कहासुनी होने लगी। इसी दौरान युवक का साथी पैसा लेकर आ गया। विवाद बढ़ने पर युवक और उसके साथी ने डिलीवरी ब्वॉय को लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया।

उसके सिर पर डंडे से भी वार किया। गंभीर रूप से घायल डिलीवरी ब्वॉय ने कुछ ही मिनट में दम तोड़ दिया। इसके बाद मुख्य आरोपित और उसके साथियों ने स्वरूप कुमार के शव को घटनास्थल के नजदीक नाले में ले जाकर फेंक दिया। बताया जा रहा है कि दो अन्य आरोपितों ने शव को ठिकाने लगाने में मदद की।

शव मिलने के बाद पुलिस ने मृतक को शराब पीने का आदी होने की संभावना जताई थी। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई है। जिस कंपनी में स्वरूप कुमार काम करता था उस कंपनी के पदाधिकारियों से पुलिस पूछताछ करने की बात पुलिस कह रही है। डीसीपी ने कहा कि जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# इंडिया की लोकतंत्र बचाओ महारैली के बेसुरे स्वर

ललित गर्ग

इंडिया गठबंधन की लोकतंत्र बचाओं रैली में भारतीय जनता पार्टी एवं पीएम मोदी की शानदार जीत की संभावना से बौखलाए नेताओं की खींच ही ज्यादा सामने आयी है। यही कारण है कि रैली में जो मुद्दा जोरशोर से उठा, वह यह रहा कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गई तो लोकतंत्र भी खत्म हो जाएगा और संविधान भी।

दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की लोकतंत्र बचाओं महारैली में जुटे 28 दलों के नेता आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से कोई प्रभावी संदेश देने में नाकाम रहे हैं। भले ही चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने में कामयाबी हासिल की हो। लेकिन यह एकजुटता भ्रष्ट नेताओं को बचाने की एक मुहिम ही बनकर सामने आयी है। इसमें स्पष्ट रूप से केन्द्र सरकार की भ्रष्टाचार पर गई कार्रवाई की बौखलाहट झलक रही थी। इस रैली में सभी दलों के नेताओं ने देश विकास के मुद्दों, सिद्धान्तों एवं नैतिक तकाजे की बजाय मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं। लोकतंत्र बचाओ रैली से उपजे विचारों ने किन्हीं पवित्र उद्देश्यों के बजाय सत्ता हासिल करने की लालसा को ही उजागर किया, यह निराश करने वाली रैली किसी बड़े बदलाव की वाहक बनती हुई नजर नहीं आयी।

इस रैली में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शानदार जीत की संभावना से बौखलाए नेताओं की खींच ही ज्यादा सामने आयी है। यही कारण है कि रैली में जो मुद्दा जोरशोर से उठा, वह यह रहा कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गई तो लोकतंत्र भी खत्म हो जाएगा और संविधान भी। यह समझना कठिन है कि कोई दल लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करता है तो उससे लोकतंत्र और संविधान कैसे खत्म हो जाएगा। आम जनता के मतों से जीत हासिल करने वाला दल किस तरह से लोकतंत्र को ध्वस्त करने वाला हो सकता है। विपक्षी एकता का यह महाकुंभ मोदी को कोसने की बजाय किन्हीं ठोस मुद्दों के सहारे कोई प्रभावशाली विमर्श खड़ा करने की कोशिश करता तो वह आम जनता को आकर्षित करता और यही स्वस्थ राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक होता। लेकिन ऐसा न होना समूचे देश के विपक्षी दलों की नाकामी, उद्देश्यहीनता एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का द्योतक हैं।

इस रैली में अनेक मुद्दे उठे, जिनमें प्रमुख रहा केंद्रीय एजेंसियों का कथित दुरुपयोग और राजनीतिक भ्रष्टाचार। प्रियंका गांधी ने इस रैली में सरकार के सामने पाँच माँगें रखीं। इनमें प्रमुख दो हैं जिनमें चुनाव आयोग से माँग की गई है कि विपक्षी नेताओं पर छापों की कार्रवाई रोकी जाए। दूसरी और महत्वपूर्ण माँग ये है कि गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। इस रिहाई की माँग के पीछे कांग्रेस का उद्देश्य बचे-खुचे संगठनों या पार्टियों को इंडिया गठबंधन से जोड़े रखना है। नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे मज़बूत खम्भे पहले ही उखड़ चुके हैं इसलिए जो कुछ बचा है उसे कांग्रेस समेटे रखना चाहती है, यही उसकी विवशता है। वैसे, इंडिया गठबंधन के घटक दलों के आपसी अंतर्विरोध की छाया भी इस रैली दिखी। कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि विरोध किसी खास व्यक्ति से जुड़ा नहीं बल्कि मौजूदा सरकार की तानाशाही के खिलाफ केंद्रित है। जबकि इस रैली का मकसद आम आदमी पार्टी की तरफ से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करना बताया गया। यहां आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच के अन्तर्विरोध को सहज ही समझा जा सकता है।

यह रैली भले ही अठाइस दलों का जमावड़ा बनी, इसे विपक्षी दलों की एकजुटता का प्रदर्शन भी कहा गया है। लेकिन जबसे इंडिया गठबंधन बना है, तब से उसमें टूट एवं बिखराव के स्वर सुनाई दे रहे हैं। विचारभेद के साथ मनभेद भी सामने आये हैं। महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक तमाम राज्यों में टिकट बंटवारे के सवाल पर इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों की आपसी खटपट की खबरें भी आ रही थीं। भले ही ये विवाद गिनी-चुनी सीटों को लेकर थे, लेकिन संदेश स्पष्ट था कि चुनाव सिर पर आने के बाद भी इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एकजुट नहीं हो पा रहे। रामलीला मैदान की रैली के जरिए इन दलों ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि मोदी विरोध एवं भाजपा को सत्ता से दूर करने के मुद्दों पर वे एक स्वर में बोल सकते हैं और लगातार बोलते भी रहे हैं, फिर उसके लिये इस महारैली की क्या जरूरत? निश्चित ही एकजुटता के ये स्वर बेसूरे, असहज एवं बनावटी है, इंडिया गठबंधन के राजनैतिक क्षितिज पर जो वरिष्ठ राजनेता हैं उनकी आवाज व किरदार भारतीय जीवन को प्रभावित नहीं कर रहा है। इंडिया गठबंधन से जुडे.दलों की केन्द्र एवं प्रांतों की सरकारों के शासन-काल में तो अपराध, भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, आतंकवाद, प्रांतवाद, जातिवाद की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगलता रहा है। सब अपनी जातियों और ग्रुपों को मजबूत करते रहे हैं-- देश को नहीं। प्रथम पंक्ति का नेता ही नहीं है जिसे मोदी के मुकाबले में खड़ा किया जा सके। भारत के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी।

दो तरह के नेता होते हैं- एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है।

> इस रैली में अनेक मुद्दे उठे, जिनमें प्रमुख रहा केंद्रीय एजेंसियों का कथित दुरुपयोग और राजनीतिक भ्रष्टाचार। प्रियंका गांधी ने इस रैली में सरकार के सामने पाँच माँगें रखीं। इनमें प्रमुख दो हैं जिनमें चुनाव आयोग से माँग की गई है कि विपक्षी नेताओं पर छापों की कार्रवाई रोकी जाए। दूसरी और महत्वपूर्ण माँग ये है कि गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए।

संयुक्त रूप से कार्य करें तो आज भी वे भारत को विकास की नई ऊंचाइयां दे सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इंडिया गठबंधन की चोटी से लेकर प्रांत स्तर पर, समाज स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है। यह सोच का दिवालियापन ही है कि दिखते हुए भ्रष्टाचार के बावजूद उसका विरोध नहीं करके, ऐसे भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिये लोकतंत्र बचाओ रैली का आयोजन हो रहे हैं। राजनीतिक भ्रष्टाचार एक कड़वी सच्चाई है, लेकिन वह भी उतना सच है कि इस मामले में कोई भी दल दूध का धुला नहीं है। राजनीति के हमाम में सब नंगे हैं। विपक्षी दल कुछ भी दावा करें, सच्चाई यह है कि राजनीतिक भ्रष्टाचार की समस्या का समाधान उनके पास भी नहीं है। राजनीति में काले धन का इस्तेमाल होता रहा है और कोई भी यह दावे के साथ कहने की स्थिति में नहीं कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा। जो विपक्षी नेता भ्रष्टाचार के आरोप में केंद्रीय एजेंसियों की जांच का सामना कर रहे हैं अथवा उन्हें जेल जाना पड़ा है, उनके बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उन्होंने कहीं कुछ गलत नहीं किया। प्रधानमंत्री ने मेरठ में चुनावी महासंग्राम की शुरुआत करते हुए कहा कि अगर विपक्षी नेता पाक-साफ़ हैं तो सुप्रीम कोर्ट उन्हें छोड़ क्यों नहीं रहा है? कुछ तो गड़बड़ होगी ही। कुल मिलाकर बयानों का तीखापन यहाँ- वहाँ आने लगा है। लोकसभा चुनाव के प्रचार में धार आ गई है। यह धार दिन ब दिन और पैनी होती जाएगी।

भारत के केनवास पर शांति, प्रेम, ईमानदारी, विकास और सह-अस्तित्व के रंगों की जरूरत है, पर आज इंडिया गठबंधन इन रंगों को भरने की पात्रता खोकर नायकविहीन है। रंगमंच पर नायक अभिनय करता है, राजनीतिक मंच पर नायक के चरित्र को जीना पड़ता है, कथनी-करनी में समानता, दृढ़ मनोबल, इच्छा शक्ति और संयमशीलता के साथ। लेकिन भारतीय लोकतंत्र की यह एक बड़ी विडम्बना है कि यहां विपक्षी दलों में नायक कम, खलनायक अधिक है। तभी एक मोदी अठाइस दलों के नेताओं पर भारी पड़ रहा है। देखना यह है कि विपक्षी दलों ने राजनीतिक भ्रष्टाचार का मामला उठाकर मोदी सरकार को घेरने की जो कोशिश की, उससे देश की जनता कितनी प्रभावित होगी और इसकी आवश्यकता महसूस करेगी या नहीं कि इस गठबंधन को सत्ता में लाना आवश्यक है। विपक्षी दलों ने जो मुद्दे उठाये, वे प्रभाव पैदा नहीं कर पाये। चुनावी बांड का ही मुद्दा ले, इसमें संदेह नहीं कि चुनावी बांड से दिए जाने वाले चंदे का जो विवरण सामने आया है, उससे अनेक गंभीर सवाल खड़े हुए हैं, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जिन कंपनियों का नाम लेकर यह कहा जा रहा है कि मोदी सरकार ने उन पर अनुचित दबाव डालकर चंदा हासिल किया, उनमें से अनेक ने विपक्षी दलों को भी अच्छा-खासा चंदा दिया है।

# अल्ट्रावॉयलेट F77 की बैटरी और ड्राइवट्रेन पर मिलेगी ज्यादा वॉरंटी ,कंपनी ने पेश किए तीन पैक

**बेंगलुरु आधारित इलेक्ट्रिक बाइक निर्माता Ultraviolette की ओर से F77 बाइक को ऑफर किया जाता है। अब कंपनी की ओर से इस बाइक की बैटरी और ड्राइवट्रेन पर ज्यादा वारंटी को ऑफर किया जा रहा है। जिससे ग्राहकों को ज्यादा फायदा मिल पाएगा। Ultraviolette की ओर से बाइक के किस वेरिएंट पर कितनी वारंटी दी गई है। आइए जानते हैं।**

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक बाइक निर्माता Ultraviolette की ओर से F77 बाइक को ऑफर किया जाता है। जिसपर कंपनी ने ज्यादा वारंटी को ऑफर कर दिया है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि कंपनी की ओर से बाइक के किस वेरिएंट पर कितनी वारंटी को दिया जा रहा है।

**Ultraviolette F77 पर मिलेगी ज्यादा वारंटी**

इलेक्ट्रिक बाइक बनाने वाली कंपनी Ultraviolette की बाइक F77 पर अब पहले से ज्यादा वारंटी मिलेगी। कंपनी की ओर से हाल में ही तीन नए पैकेज को ऑफर किया गया है। जिसमें इस बाइक के दोनों वेरिएंट्स पर आठ गुना तक वारंटी बढ़ गई है। Ultraviolette ने इन पैकेज को UV Care, UV Care+ और UV Care Max का नाम दिया है।

**किस पैकेज में कितनी वारंटी**

कंपनी की ओर से UV Care पैकेज में बाइक के Original वेरिएंट पर तीन साल या 30 हजार किलोमीटर की वारंटी दी जाती थी। लेकिन अब 30 हजार किलोमीटर की जगह 60 हजार किलोमीटर की वारंटी को ऑफर किया गया है। दूसरे पैक UV Care + को बाइक के दोनों वेरिएंट Original और Recon के लिए ऑफर किया जाता है। इस पैकेज में पहले पांच साल या 50 हजार किलोमीटर तक की वारंटी दी जाती थी। लेकिन अब इस पैकेज में 50 हजार की जगह एक लाख किलोमीटर तक की वारंटी को दिया जा रहा है। वहीं इसके तीसरे पैकेज UV Care Max को सिर्फ Recon वेरिएंट के लिए ऑफर किया जाता है। जिसमें पहले आठ साल या एक लाख किलोमीटर तक की वारंटी दी जा रही थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर आठ लाख किलोमीटर तक कर दिया गया है।

**कंपनी के को-फाउंडर ने कही यह बात**

Ultraviolette के को-फाउंडर और सीटीओ नीरज राजमोहन ने कहा कि बैटरी प्रौद्योगिकी में वैश्विक अग्रणी होना और व्यापक वारंटी की पेशकश इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लैंडस्केप में क्रांति लाने के लिए अल्ट्रावायलेट की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। बैटरी और ड्राइवट्रेन के लिए नई वारंटी संरचना की शुरूआत बैटरी इंजीनियरिंग में कठोर प्रयासों पर आधारित है, जिसमें सुरक्षा के पांच स्तरों की सुरक्षा और भविष्य के लिए तैयार बैटरी तकनीक शामिल है। अल्ट्रावायलेट की विस्तारित वारंटी हमारी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता से समझौता नहीं करने की पुष्टि करती है।

**क्या हैं खूबियां**

Ultraviolette F77 Electric Bike में 307 किलोमीटर की IDC रेंज मिलती है। इसके साथ ही इसे 2.9 सेकेंड में जीरो से 60 किलोमीटर की स्पीड पर चलाया जा सकता है। बाइक की टॉप स्पीड 152 किलोमीटर प्रति घंटा तक है और इसमें लगी मोटर से इसे 30.2 किलोवाट पावर के साथ 100 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, तीन राइडिंग मोड, ड्यूल चैनल एबीएस, राइड बाय वायर जैसे फीचर्स को दिया जाता है।

**कितनी है कीमत**

अल्ट्रावायलेट की इस बाइक को 3.80 लाख रुपये और 4.78 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत के विकल्प के साथ खरीदा जा सकता है।

## 360 डिग्री कैमरे से लेकर सेंसर तक... इन टेक्नोलॉजी ने कार पार्किंग को बनाया आसान

गाड़ी चलाना बहुत से लोगों को पसंद होता है। लेकिन खासकर शहरों में जहां गाड़ियों की भरमार होती है और पार्किंग की जगह कम मिलती है, वहां अपनी गाड़ी पार्क करने में उन्हें बहुत थकान महसूस होती है। कम जगह में पार्किंग करने के लिए आपके वाहन के साइज, उपलब्ध जगह, अन्य खड़ी गाड़ियों से दूरी आदि जैसे चीजों को ध्यान में रखते हुए काफी सोच-विचार करना पड़ता है। गाड़ी पार्क करते समय कई लोगों के लिए यह एक संघर्ष जैसा होता है। और कभी-कभी सबसे कुशल ड्राइवरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हालांकि, ड्राइविंग में मदद करने वाले फीचर्स के रूप में टेक्नोलॉजी की भरमार देखने को मिल रही है। जिसकी वजद से संकरी जगहों पर भी वाहन को चलाना और पार्क करना आसान होता जा रहा है। वाहन निर्माता कार पार्किंग की मेहनत की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी की मदद से कई तरह के फीचर्स देने लगे हैं। यहां हम आपको ऐसे ही कुछ फीचर्स के बारे में बता रहे हैं। इन फीचर्स ने चालकों के लिए कार पार्किंग को आसान बना दिया है।

**360 डिग्री कैमरा**

360 डिग्री कैमरा मॉडर्न कारों में तेजी से लोकप्रिय हो रहे फीचर्स में से एक है। यह सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर्स में शुमार किया जाता है। 360-डिग्री कैमरा वाहन के परिवेश का एक विहंगम नजारा दिखाता है। जिससे पार्किंग और कार को चलाना सुविधाजनक हो जाता है। इस सिस्टम में कई कैमरे शामिल होते हैं जिन्हें कुछ खास जगहों पर वाहन के चारों ओर लगाया जाता है। इन्हें सिस्टम के आधार पर ऊपर से या अन्य एंगल से एक खास व्यूइंग एंगल या फुल 360-डिग्री फीड के लिए पर्सनल वीडियो फुटेज के लिए ऊपर खींचा जा सकता है। लैंड रोवर रेंज रोवर जैसी कुछ लग्जरी एसयूवी एक अतिरिक्त अंडरबॉडी कैमरा सिस्टम के साथ आती हैं। जिसे क्लियरसाइट ग्राउंड विजन नाम दिया गया है। जो बोनट के नीचे जमीन की सतह का नजारा भी दिखाती है।

**पार्किंग सेंसर**

पार्किंग सेंसर वाहनों में पार्क असिस्ट टेक्नोलॉजी का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला रूप है। यह फीचर ज्यादातर किफायती कारों के एंट्री-लेवल वेरिएंट में भी उपलब्ध है। इसके अलावा, इसे आफ्टरमार्केट से भी लगाया जा सकता है। रियर पार्किंग सेंसर इन सेंसरों का सबसे आम रूप है। जबकि कुछ कारों में फ्रंट पार्किंग सेंसर भी उपलब्ध हैं। ये सेंसर चालक को किसी भी बाधा डालने वाली वस्तु के बारे में जानकारी देने के लिए ऑडियो अलर्ट पर निर्भर करते हैं। जो वाहन के लिए बाधा पैदा कर सकते हैं। ये सेंसर कार और वस्तु के बीच की दूरी के आधार पर गाड़ी खड़ी करते समय हाई पिच ऑडियो अलर्ट देना शुरू कर देते हैं। वाहन और वस्तु के बीच की दूरी कम होने के साथ आवाज तेज हो जाती है।

# एलोन मस्क ने कनफर्म कर दी टेस्ला की भारत में एंट्री, कहा - इसी महीने के अंत तक...

परिवहन विशेष न्यूज

टेस्ला भारत में अपना प्लांट स्थापित करने के लिए इस महीने के अंत तक अपनी एक टीम यहां भेजेगी। सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र और गुजरात की सरकारों ने इलेक्ट्रिक वाहन (EV) मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना के लिए टेस्ला को भूमि देने की पेशकश की है। नई नीति के तहत कंपनी कम आयात शुल्क पर आठ हजार कारों का आयात कर सकेंगी।

**नई दिल्ली।** Tesla के सीईओ Elon Musk ने कहा है कि जनसंख्या के आधार पर भारत अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत में Electric Cars होनी चाहिए, जैसे हर दूसरे देश में हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में टेस्ला के इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराना उनकी कंपनी के लिए एक स्वाभाविक प्रगति होगी। अरबपति सीईओ ने कहा कि भविष्य में सभी वाहन इलेक्ट्रिक हो जाएंगे और यह सिर्फ समय की बात है।

**भारत आएगी टेस्ला की टीम**

टेस्ला भारत में अपना प्लांट स्थापित करने के लिए इस महीने के अंत तक अपनी एक टीम यहां भेजेगी। सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र और गुजरात की सरकारों ने इलेक्ट्रिक वाहन (EV) मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना के लिए टेस्ला को भूमि देने की पेशकश की है। टेस्ला भारत में अपने संयंत्र के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश करने के लिए इस महीने के आखिरी में भारत एक टीम भेजेगी।

कंपनी ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब इलेक्ट्रिक वाह की मांग धीमी हो रही है और अमेरिका और चीन जैसे बड़े बाजारों में कंपनी को अत्यधिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। मांग में कमी के चलते पहली तिमाही में कंपनी की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। इस संयंत्र पर दो से तीन अरब डॉलर का निवेश किए जाने की संभावना है।

**नई ईवी पॉलिसी का मिलेगा फायदा**

नई नीति के तहत कंपनी कम आयात शुल्क पर आठ हजार कारों का आयात कर सकेंगी। भारत ने पिछले महीने ऐसी कंपनियों की इलेक्ट्रिक वाहन पर आयात शुल्क कम कर दिया था, जो कम से कम देश में 50 करोड़ डालर का निवेश करें और तीन साल के अंदर घरेलू मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रतिबद्ध हों।

**पीएम मोदी से मिल चुके हैं मस्क**

टेस्ला के कर्ताधर्ता एलन मस्क वर्षों से भारतीय बाजार में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनसे स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रतिबद्धता चाहती है। पिछले साल जून में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर गए थे, तो उनसे मस्क ने मुलाकात भी की थी। कंपनी ने पिछले साल जुलाई में कहा था कि वह 24,000 डालर की कीमत वाली ईवी का उत्पादन करने के लिए भारत में एक कारखाना बनाने में रुचि रखती है।

## *क्या आप जानते हैं ऑल-व्हील-ड्राइव और 4-व्हील ड्राइव एक जैसी नहीं होती हैं, जानें कैसे हैं अलग*

*ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री काफी जटिल और दिलचस्प शब्दों से भरा हुआ है। AWD और 4WD ऐसे ही दो शब्द हैं। AWD का मतलब ऑल-व्हील ड्राइव होता है। जबकि 4WD का मतलब फोर व्हील ड्राइव होता है। दिलचस्प बात यह है कि बहुत सी गाड़ी खरीदने वाले और वाहन मालिक सोचते हैं कि AWD और 4WD दोनों एक ही चीज हैं। हालांकि, यह एक गलतफहमी है। हालांकि इन दोनों टेक्नोलॉजी का मूल सिद्धांत कार के सभी पहियों को चलाना है। फिर भी AWD और 4WD एक जैसी नहीं होती हैं।*

***ऑल-व्हील ड्राइव (AWD)***

*ऑल-व्हील-ड्राइव (AWD) सिस्टम आपकी कार के सभी चारों पहियों को पावर देती है। AWD सिस्टम दो तरह की होती है, या तो फुल टाइम AWD या पार्ट-टाइम AWD. फुल टाइम AWD में, सिस्टम हर समय आगे और पीछे दोनों पहियों को पावर देती है। दूसरी ओर, पार्ट-टाइम AWD हर समय या तो आगे या पीछे के पहियों को पावर देती है। इन दोनों तरह के AWD सिस्टम में, चालक का पहियों या पहियों के सेट को मिलने वाले पावर आउटपुट पर कोई कंट्रोल नहीं होता है। विभिन्न सेंसरों से मिलने वाले आंकड़ों के आधार पर, एक ऑनबोर्ड कंप्यूटर यह तय करता है कि कितनी पावर दी जाए। जो हर पहिये के टायरों की ट्रैक्शन (कर्षण) की स्थिति का आकलन करता है। अगर कंप्यूटर को लगता है कि किसी खास पहिये को मिल रही मात्रा से ज्यादा पावर की जरूरत है, तो AWD सिस्टम तुरंत एक्सट्रा टॉर्क भेजती है। इस प्रक्रिया में, AWD सिस्टम विभिन्न ड्राइविंग परिस्थितियों में कार के ट्रैक्शन को अधिकतम करती है।*

***4-व्हील ड्राइव (4WD)***

*4-व्हील ड्राइव (4WD) सिस्टम के पीछे का मूल तर्क AWD जैसा ही है, जो सभी पहियों को पावर देना है। हालांकि, गहराई से देखें तो, 4WD कार के सभी चारों पहियों को समान रूप से आगे और पीछे के पहियों तक ले जाने वाली एनर्जी के साथ पावर देता है। AWD की तरह ही 4WD सिस्टम भी दो तरह की होती है। ये फुल टाइम 4WD और पार्ट-टाइम 4WD हैं। फुल टाइम 4WD में, वाहन के सभी चार पहियों को हर समय पावर भेजी जाती है। जबकि पार्ट टाइम 4WD में, आम तौर पर पीछे के पहियों को लगातार पावर दी जाती है।*

# MG ने फास्ट चार्जर के साथ लॉन्च की इलेक्ट्रिक कार Comet

ब्रिटिश कार कंपनी एमजी मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में ऑफर की जाने वाली सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार Comet को को नए फीचर्स के साथ लाया गया है। कंपनी ने कॉमेट को 7.4kW AC चार्जर के साथ ऑफर कर दिया है। इस इलेक्ट्रिक कार में कंपनी की ओर से किस तरह के फीचर्स दिए जाते हैं और इस फीचर के साथ कॉमेट की क या कीमत होगी।

**नई दिल्ली।** एमजी मोटर्स की ओर से इलेक्ट्रिक कार कॉमेट को अपडेट दिया गया है। कंपनी की ओर से इस कार को फास्ट चार्जर के साथ लॉन्च कर दिया गया है। एमजी मोटर्स ने कॉमेट को फास्ट चार्जर सुविधा के साथ किस कीमत पर पेश किया है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

**फास्ट चार्जर के साथ आई MG Comet**

एमजी मोटर्स भारत में तेजी से अपने पोर्टफोलियो को अपडेट कर रही है। इसी क्रम में कंपनी ने कुछ समय पहले ही Hector और ZS EV के नए वेरिएंट्स को लॉन्च किया है। इसके बाद अब कंपनी की ओर से सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार के तौर पर ऑफर की जाने वाली कार कॉमेट को फास्ट चार्जर की सुविधा के साथ लॉन्च कर दिया है। एमजी की ओर से कॉमेट ईवी में लॉन्च के बाद से अभी तक सिर्फ 3.3 किलोवाट का एसी चार्जर मिलता था। लेकिन अब इसमें 7.4 किलोवाट का एसी चार्जर का विकल्प भी दिया गया है। हालांकि यह विकल्प सिर्फ टॉप के दो वेरिएंट्स एक्साइट और एक्सक्लूसिव एफसी में ही मिलेगा। कंपनी की ओर से फास्ट चार्जर का विकल्प दिए जाने के बाद इसकी जानकारी नहीं दी है कि फास्ट चार्जिंग से कार को कितने समय में चार्ज किया जा सकता है। फास्ट चार्जर का विकल्प दिए जाने के अलावा एमजी की ओर से कॉमेट में कुछ नए फीचर्स को भी जोड़ा गया है।

**कैसे हैं फीचर्स**

जिन टॉप वेरिएंट्स में फास्ट चार्जिंग की सुविधा को ऑफर किया जा रहा है। उनमें रियर डिस्क ब्रेक, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, ईएससी, हिल होल्ड कंट्रोल, बॉडी कलर्ड पावर फोल्डेबल विंग मिरर्स, टर्न इंडीकेटर इंटीग्रेटिड डीआरएल, क्रीप मोड जैसे फीचर्स को शामिल किया है।

**कितनी है रेंज**

एमजी मोटर्स की ओर से कॉमेट को 17.3 किलोवाट आवर की बैटरी के साथ ऑफर किया जाता है। जिससे कार को फुल चार्ज के बाद 230 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। इसमें दी जाने वाली सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर से 42 हॉर्स पावर और 110 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है।

**कितनी है कीमत**

नए फास्ट चार्जिंग विकल्प और नए फीचर्स को जोड़ने के बाद एक्साइट एफसी वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 8.23 लाख रुपये और एक्सक्लूसिव एफसी वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 9.13 लाख रुपये रखी गई है।

# ईवी EV के लिए बैटरी रीसाइक्लिंग तकनीक के क्षेत्र में काम करेंगे यूरोपीय संघ EU और भारत, शुरू हुई एक नई पहल

परिवहन विशेष न्यूज

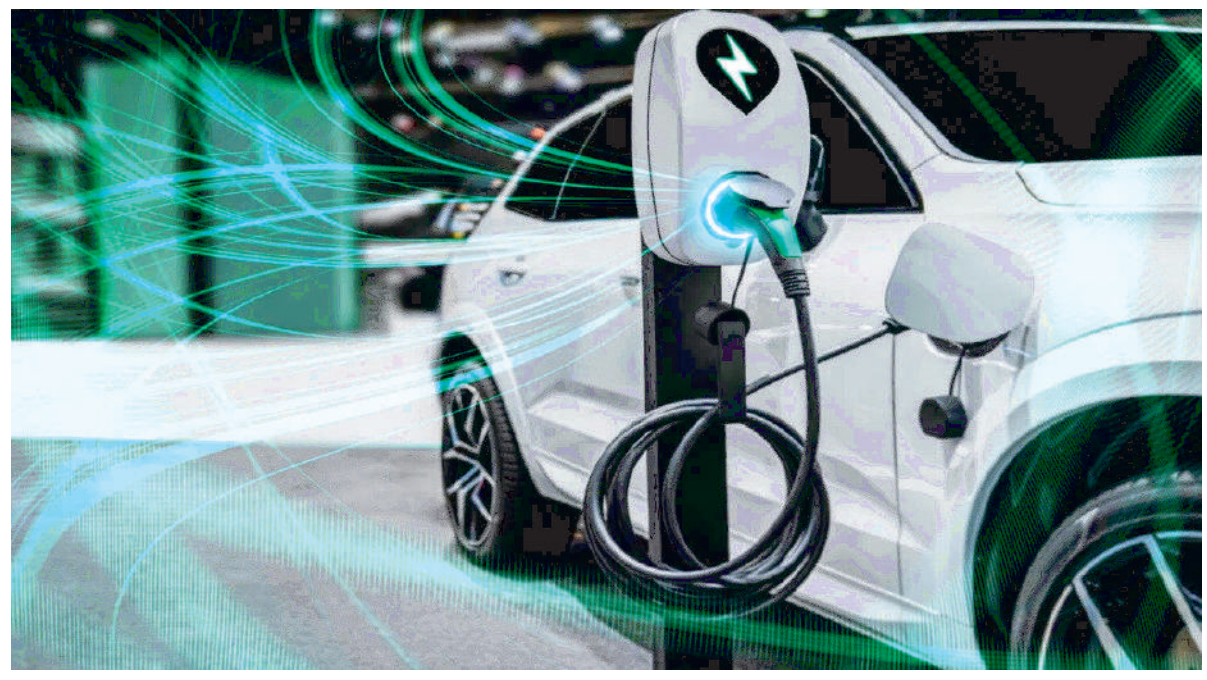

**नई दिल्ली।** यूरोपीय संघ (ईयू) और भारत ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी रीसाइक्लिंग तकनीक के क्षेत्र में काम करने में रुचि दिखाई है। दोनों पक्षों ने आज दिनांक 09 अप्रैल, दिन मंगलवार को नई दिल्ली में मैचमेकिंग कार्यक्रम के लिए रुचि पत्र जारी किए। इसका उद्देश्य स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी क्षेत्र में यूरोपीय और भारतीय लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) और स्टार्ट-अप के बीच सहयोग बढ़ाना है।

सूचना और विशेषज्ञता के अपेक्षित आदान-प्रदान से दुर्लभ सामग्रियों को अपनाने में मदद मिलेगी और भारत और यूरोपीय संघ को कार्बन तटस्थता की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी। यह पहल पिछले साल 2023 के अप्रैल महीने में नई दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग के प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन द्वारा एक बैठक में घोषित भारत-ईयू व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) के तहत शुरू की गई है। यह कार्यक्रम भारत और यूरोपीय संघ के बीच दीर्घकालिक एजेंडा, नवाचार और मजबूत आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयास का भी हिस्सा है।

यह पहल ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग तकनीक के क्षेत्र में भारतीय और यूरोपीय संघ के स्टार्टअप को अपनी उन्नत तकनीक प्रदर्शित करने और भारतीय और यूरोपीय उद्यम पूंजीपतियों के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करती है। इसके लिए भारत और यूरोपीय संघ से छह-छह स्टार्टअप्स समेत 12 स्टार्टअप्स का चयन किया जाएगा और उन्हें इस साल 2024 के जून महीने में होने वाले मैचमेकिंग इवेंट के दौरान खुद को प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।

छह स्टार्टअप यानी ईयू से तीन और भारत से तीन को उनकी प्रस्तुतियों के बाद चयन किया जाएगा और उन्हें भारत और ईयू का दौरा करने का अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ईवी के लिए बैटरी रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित स्टार्टअप की पहचान करना, संभावित व्यवसाय के लिए उन्हें समर्थन और बढ़ावा देना और चयनित स्टार्टअप के लिए ग्राहक और निवेश के रास्ते ढूंढना है।

भारत-ईयू टीटीसी वर्किंग ग्रुप-2 के तहत मैचमेकिंग इवेंट भारतीय स्टार्टअप और एसएमई को बैटरी रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों में अपनी विशेषज्ञता प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष मंच प्रदान करता है। यह भारतीय इनोवेटर्स को यूरोपीय संघ में अपने संबंधित स्टार्टअप के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है, जो कम अपशिष्ट उत्पन्न करने वाली उन्नत बैटरी रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों के विकास को गति देगा।

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने कहा, हमारा उद्देश्य यूरोपीय संघ के इनोवेटर्स के साथ संयुक्त रूप से बैटरी रीसाइक्लिंग समाधान विकसित करने के प्रयासों में सामंजस्य स्थापित करना है, जिससे उद्योग के विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। हम एक सहयोगात्मक माहौल को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं, जहां नवाचार एक समृद्ध परिपत्र अर्थव्यवस्था की आधारशिला बनता है।

यूरोपीय आयोग में अनुसंधान और नवाचार के महानिदेशक मार्क लेमैत्रे ने ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग उद्योग के लिए समर्पित सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया और मैचमेकिंग इवेंट को हरित और परिपत्र अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने वाली नवीन संभावनाओं की खोज में एक कदम आगे बताया। है। हम यूरोपीय संघ के इनोवेटर्स को इस अवसर का लाभ उठाने और अपने भारतीय समकक्षों के साथ संभावित सहयोग तलाशने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

# राम सिंह पठानिया : इतिहास के गुमनाम नायक

**भारत के स्वतंत्रता संग्राम के भूले हुए नायकों को याद करते हुए देश में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हमें मुख्यधारा के हिस्से के रूप में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी के भूले हुए नायकों के आख्यानों को गले लगाने की आवश्यकता है। चाहे जितनी तरह से कही जाए और जितनी बार, आजादी की कहानी से कुछ छूट ही जाता है, चाहे कितने भी तरीके और कितनी बार कहा जाए, जब स्वतंत्रता संग्राम की कहानियों की बात आती है तो कुछ बातें हमेशा अनकही रह जाती हैं।**

11 नवंबर 1849 ईस्वी को वजीर राम सिंह पठानिया सिर्फ 24 साल के थे, जब वह अपनी मातृभूमि की आजादी के लिए लड़ते हुए बलिदान हो गए। उनकी जयंती पर देश उन्हें नमन करता है

वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया के साहस की प्रशंसा का गीत है : 'किला पठानिया खूब लधाय्या, बल्ली पठानिया खूब लधाय्या, डाली दिया धारा दफाली जो बजड़ी, कुमनी बज्जय तामूर'।' भारत के स्वतंत्रता संग्राम के भूले हुए नायकों को याद करते हुए देश में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हमें मुख्यधारा के हिस्से के रूप में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी के भूले हुए नायकों के आख्यानों को गले लगाने की आवश्यकता है। चाहे जितनी तरह से कही जाए और जितनी बार, आजादी की कहानी से कुछ छूट ही जाता है, चाहे कितने भी तरीके और कितनी बार कहा जाए, जब स्वतंत्रता संग्राम की कहानियों की बात आती है तो कुछ बातें हमेशा अनकही रह जाती हैं। यह सच है कि इतिहास 'जो हुआ उसका आख्यान' है, लेकिन यह तय नहीं है, यह लगातार विकसित होता है। जब समुदाय जागरूक और मुखर हो जाते हैं, तो वे अपने अनसुने इतिहास का पता लगाते हैं और मुख्यधारा के आख्यानों पर दावा करते हैं। इस प्रकार, जागरूक समुदायों का इतिहास दो तरह से उभरता है : अकादमिक इतिहास के रूप में और सार्वजनिक इतिहास के रूप में। स्वतंत्रता सेनानी वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया (1824-1849) का नाम महान सपूतों में गिना जाता है। उन्होंने मु_ी भर साथियों के साथ अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिलाकर रख दी थी।

उस वक्त वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया की उम्र महज 24 साल थी। इस वीर सपूत का जन्म नूरपुर रियासत के वजीर श्याम सिंह के घर 10 अप्रैल 1824 को हुआ था। उनके पिता नूरपुर रियासत में राजा वीर सिंह के वजीर थे। अंग्रेजों को भी पता था कि वो वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया को आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। ऐसे में उन्होंने प्लान बनाया और जब वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया पूजा-पाठ कर रहे थे, तब उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, आजीवन कारावास की सजा सुनाकर कालापानी भेज दिया और बाद में उन्हें रंगून भेजा गया। 11 नवंबर 1849 को मातृभूमि की रक्षा करते हुए मात्र 24 साल की उम्र में वीरगति को प्राप्त हो गए। राजपूत राम सिंह पठानिया एक किशोर राजपूत अंग्रेजों के खिलाफ उत्प्रेरक बन गया। बहादुरी के कुछ कृत्यों को पदक या प्रशंसा से सम्मानित किया जाता है, और लोग कुछ को सदियों तक याद करते हैं, लेकिन शायद ही कभी बहादुरी के कार्य की पूजा की जाती है। वजीर राम सिंह पठानिया ने इतना त्रुटिहीन काम किया कि लोगों ने उनके लिए एक मंदिर समर्पित किया। उनकी बहादुरी ने उन्हें भगवान की स्थिति तक पहुंचा दिया। राजपूत राम सिंह पठानिया भारतीयों के लिए तत्काल स्वतंत्रता नहीं लाए, लेकिन यह भारतीय लोगों में एकता लाए और ब्रिटिश सरकार के कब्जे के प्रतिरोध के लिए उत्प्रेरक बन गए। राजनीति, वैचारिक और व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों के चलते इतिहासकारों ने कई महानायक बना दिए, यहां तक कि कई ऐसे भी जो इस लायक नहीं थे।

इसका खामियाजा भुगतना पड़ा, उन लोगों को जिन्होंने देश पर अपनी जान बलिदान कर दी, लेकिन लोग उन्हें जानते तक नहीं। यह लेख उन गुमनाम नायकों में से एक राजपूत राम सिंह पठानिया के बारे में है जिनको भारतीय इतिहास की किताबों में वो जगह नहीं मिली जिसके कि वो हकदार थे। यहां तक कि उनका योगदान आप जिनको महानायक कहते हैं, उनसे भी ज्यादा था। हर एक व्यक्ति देश पर अपनी जान बलिदान कर फांसी चढने वाले भगत सिंह को तो जानता है, लेकिन क्या किसी को पता है एक भारतीय युवा राजपूत राम सिंह पठानिया ने पूर्व तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर रॉबर्ट पील के भतीजे ब्रिटिश अधिकारी जॉन पील को तलवार से मौत के घाट उतारा था? 1857 का विद्रोह, जिसने ब्रिटिश सरकार को मूल रूप से हिला दिया था, को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ भारतीयों के नेतृत्व में पहले सशस्त्र विद्रोह के रूप में याद किया जाता है। लेकिन यह केवल अर्ध-सत्य है क्योंकि 1857 का महान विद्रोह न तो पहला विद्रोह था और न ही अंतिम। भारतीय चाहे उत्तर, दक्षिण, पूर्व या पश्चिम में हों, ईस्ट इंडिया कंपनी के आगमन के बाद से हमेशा अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे थे। 1857 के विद्रोह या स्वतंत्रता के पहले युद्ध से पहले, भारतीयों ने अपने क्षेत्रों को मुक्त करने के लिए कई बड़े और छोटे पैमाने पर लड़ाई लड़ी। राजपूत राम सिंह पठानिया ने ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर राज के खिलाफ एक सशस्त्र विद्रोह शुरू किया और उन्हें अंदर तक हिला दिया। बहादुर राजपूत राम सिंह पठानिया का वास्तविक इतिहास पहले एंग्लो-सिख युद्ध (1845-1846) के अंत के साथ शुरू होता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध के बाद अंग्रेजों और सिखों के बीच एक संधि हुई थी, जिसके कारण हिमाचल प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों को ब्रिटिश राज ने अपने कब्जे में ले लिया था। माना जाता है कि 9 मार्च 1846 को लाहौर में संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।

इस संधि के द्वारा, ब्यास और सतलुज के बीच का क्षेत्र ब्रिटिश प्रभुत्व में गिर गया। इस समय नूरपुर के राजा वीर सिंह की मृत्यु हो गई और चालाक अंग्रेजों ने अपनी धोखेबाज नीतियों के माध्यम से नूरपुर रियासत पर कब्जा कर अपना क्षेत्र घोषित कर दिया। लेकिन बहादुर राजपूत राम सिंह पठानिया ने साथी राजपूत भाइयों के साथ गठबंधन किया, जो कटोच शाखा के थे। हालांकि, राजपूतों की यह मु_ी भर सेना पूरे भारत पर विजय प्राप्त करने वाले शत्रुओं के खिलाफ युद्ध घोषित कर दिया, लेकिन क्षत्रिय के कभी न हारने के रवैये ने अपनी भूमि की रक्षा के लिए जो कुछ भी कर सकते थे, किया। अंग्रेजों ने भी कुछ जागीर और बड़ी रकम देने का वादा किया, लेकिन गर्वित राजपूत राम सिंह पठानिया ने इस पर सहमत होने से इनकार कर दिया। साथ ही अंग्रेजों ने अपनी 'फूट डालो और राज करो' की राजनीति खेली। वे सिखों और हिमाचल के पहाड़ी लोगों के संबंधों के बीच कड़वाहट को चिंगारी देना चाहते थे। बहरहाल यह कहानी लंबी है। अनेक घटनाक्रम के बाद कालापानी के कैदियों को गुलामों के रूप में काम करने के लिए रंगून (वर्तमान बर्मा) ले जाया गया। यहीं पर राम सिंह को यातनाएं देकर मौत के घाट उतार दिया गया। 11 नवंबर 1849 ईस्वी को वजीर राम सिंह पठानिया सिर्फ 24 साल के थे, जब वह अपनी मातृभूमि की आजादी के लिए लड़ते हुए बलिदान हो गए। उनकी जयंती पर देश उन्हें नमन करता है।

**-डा. अमरीक सिंह**

## संपादक की कलम से

# क्या महाशक्ति-सा जीवन स्तर?

चूंकि आम चुनाव का मौसम उफान पर है, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी देश को जो गारंटी दे रहे हैं, वह यह है कि उनके तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनेगा। प्रधानमंत्री देश को आश्वस्त कर रहे हैं कि 2047 में 'विकसित भारत' का संकल्प पूरा करने को वह 24 घंटे, सातों दिन काम में जुटे रहते हैं। फिलहाल भारत अमरीका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अमरीका की अर्थव्यवस्था 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक और चीन की 19 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की अर्थव्यवस्था है। भारत का जीडीपी 3.8 ट्रिलियन डॉलर के करीब है, जबकि जापान और जर्मनी का जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का है। भारतीय जीडीपी की आर्थिक विकास दर जिस गति से आगे बढ़ रही है, उसके मद्देनजर 2028 तक वह जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान की आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। भारत यूपीए सरकार के दौरान विश्व की 10वीं अर्थव्यवस्था था। वहां से छलांग लगाकर वह 5वीं महाशक्ति बना है, यह एक महान उपलब्धि है। भारत के नागरिकों और उद्योगों ने ही यह खूबसूरत, गौरवपूर्ण स्थान हासिल किया है। 2014-15 में हमारी औसत विकास दर 5.9 फीसदी रही थी, जबकि 2023-24 के दौरान यह 6.8 फीसदी से भी कम रही है। हम विभिन्न सरकारों के कार्यकालों में विकास दर की तुलना नहीं करना चाहते।

यह परिस्थितिजन्य भी होता है कि विकास दर कम-ज्यादा होती रहती है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौरान हमारी आर्थिक विकास दर डूब कर नकारात्मक हो गई थी। भारत उन परिस्थितियों से भी बाहर निकल कर 5वीं महाशक्ति पर अडिग रहा है। यदि जापान और जर्मनी की विकास दरें मौजूदा स्तर के करीब ही रहीं, तो भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान जल्दी भी हासिल कर सकता है, लेकिन अर्थव्यवस्था के विस्तार की तरह यह मुद्दा भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत का औसत जीवन-स्तर कैसा है? क्या औसत भारतीय का जीवन-स्तर एक महाशक्ति जैसा है? भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2500 डॉलर है, जो चीन की 13,000 डॉलर से बहुत कम है। 1990 के हालात और संदर्भों का आकलन करें, तो भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 369 डॉलर थी, जबकि चीन 348 डॉलर के साथ हमारी तुलना में पीछे था। आज चीन की अर्थव्यवस्था इतनी आगे है कि भारत उसे छूने की कल्पना भी नहीं कर सकता। आखिर तीन दशकों के दौरान चीन हमसे इतनी आगे कैसे निकल गया, यह एक बेहद विचारणीय सवाल है। सिर्फ 'विकसित भारत' के नारे उछालने से ही लक्ष्य हासिल नहीं होगा। 2047 में कौन-सा प्रधानमंत्री देश के प्रति जवाबदेह होगा? क्या वह मौजूदा प्रधानमंत्री की वैचारिक लकीर को ही आगे बढ़ाएगा? यदि भिन्न राजनीतिक दलों का प्रतिनिधि हुआ, तो कोई जरूरी नहीं कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मान्यता दे। कई सवाल हैं। आज इस नारे पर चुनाव जीता जा सकता है, लेकिन यह देश के मूल विकास का प्रश्न है।

यदि आने वाले दो दशकों के दौरान भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनना है और ये दशक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भारत के ही दशक होने चाहिए, तो भारत को आज की ही कीमतों के मुताबिक प्रति व्यक्ति जीडीपी 10,000 डॉलर का लक्ष्य हासिल करना होगा। ये कमोबेश अपेक्षाएं हैं। विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार, भारत फिलहाल 'निम्न मध्य आय' वाला देश है, जबकि चीन 'उच्च मध्य आय' वाला देश है। चीन लगभग 'विकसित राष्ट्र' के कगार पर है। संभव है कि 2047 में भारत का जीडीपी 25-30 ट्रिलियन डॉलर हो और प्रति व्यक्ति आय भी काफी ज्यादा हो जाए, लेकिन जीवन-स्तर के मानक बिल्कुल भिन्न हैं। जीवन प्रत्याशा क्या है और स्वास्थ्य पर कितना खर्च हो रहा है? बहरहाल अभी तो मंजिल बहुत दूर है।

## राय

# किसके हाथ, किसका खून

चुनाव में हिमाचली चरित्र फिर फंसा- फिर धंसा नजर आ रहा है, तो इसकी वजह छोटे राज्य की तासीर में पार्टियों के नेतृत्व में आ रहा खोट है। इस बार चरित्र का नया जाल बुनकर राजनीति कुछ गुनाह कर चुकी है और कई चुनावों की ओट में चल रहे हैं। यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच भी संगठन की चारित्रिक पृष्ठभूमि का अंतर स्पष्ट है। बेशक भाजपा के हाथ कांग्रेस के खून से रंगे देखे जा सकते हैं, लेकिन जब घाव ही खुद किए हों तो लहू का रिसना कत्ल नहीं। सत्ता का चरित्र हिमाचल के आचरण से कहीं भिन्न होता जा रहा है, यह हम पिछली कुछ सरकारों के दौर से निरंतर देख रहे हैं, लेकिन इस बार बेडियां पहनाकर कत्ल हुए जिसकी जागीर में, वही कह रहा कि कानून को लूट लिया लुटेरों ने। सरकार के कठघरे में पहली बार कांग्रेस के ही बीज नजर आए, जो अब उगे तो खड़पतवार बन गए। सवाल छह विधायकों की जमीर का हमेशा रहेगा, इसलिए खरीद-फरोख्त की तोहमतें उछल रही हैं। हिमाचल सरकार के दावे को मानें तो आरोप यह है कि पूर्व कांग्रेसी विधायकों को भाजपा ने छीना नहीं, खरीदा है। खरीद की दरों पर सियासत का चरित्र भले ही आकर्षित करे, मगर आम हिमाचली की निगाह में यह चुनाव को पसोपेश में डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने बाकायदा विधायकों की बिक्री का हिसाब बताना शुरू किया है, तो ये आंकड़े, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबने के संकेत हैं।

इन विधायकों का सरगना सुधीर शर्मा बताया जा रहा है, तो मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस के जरिए बांधने की कोशिश भी शुरू हुई है। अब कांग्रेस से छिटक कर जो पूर्व विधायक भाजपा की शरण में आए हैं वह आरोपों का छिड़काव कर रहे हैं। यानी यह घर के भेदी भी हैं और लंका दहन की सामग्री भी। ये लांछन जितना आगे बढ़ेंगे, कांग्रेस पर दोनों तरफ से प्रश्नचिन्ह लगेंगे। दूसरी ओर पंद्रह करोड़ की राशि से अगर कोई विधायक बिक सकता है, तो यह वक्तव्य आगे चलकर घमासान मचा सकता है। इसे साबित करने की नौबत दिखाई देती है। क्या इन्हीं मुद्दों पर हिमाचल अब आगे बढ़ेगा या यह मान लिया जाए कि सियासत में यही चलेगा। कम से कम प्रचार के पहले चरण में ही कांग्रेस की धमाकेदार एंट्री के बावजूद कहीं जख्म रिस रहे हैं। दर्द छह विधायक खोने का न भी हो, उपचुनावों में ताली बजाने का भी हो सकता है। आश्चर्य यह कि पक्ष का पहला विरोधी पक्ष कभी पार्टी के जिगर में तो रहा ही है। कांग्रेस के टिकट पर लड़े और जीते छह विधायकों को कोस कर पार्टी कम से कम भाजपा को तो नहीं कोस रही। प्रहार का सारा मैदान अगर छह बागियों के चक्कर में खत्म हो गया, तो भाजपा 'तेरी खैर नहीं' कब कहा जाएगा। जो भी हो जनता में राजनीतिक घटनाक्रम से खिन्नता जरूर बढ़ रही है। अगर सरकार साबित कर दे कि 15 करोड़ में कोई बंदा बिका है, तो जनता की सजा तय है, लेकिन दूसरी ओर अदालती पचड़ों में बात आगे बढ़ती है, तो भी राज्य को झेलना पड़ेगा। दोनों ही परिस्थितियों में राज्य का चरित्र चौराहे पर है और आम नागरिक अपने ही मत पर अविश्वास प्रकट कर सकता है। जनता ने इसलिए कांग्रेस को जनादेश नहीं दिया था कि चरित्रहनन की तोहमतें उसे परेशान करें, बल्कि बदलाव, नए प्रयोग, सुशासन, चारित्रिक आश्वासन और सुखद भविष्य के लिए सत्ता पार्टी को सौंपी थी। जनादेश की प्रतिबद्धता यह छूट नहीं देती कि सत्ता से कुछ लोगों को खारिज करके शाबाशी ली जाए या एक दूसरे के ऊपर अंगुली उठाकर मनोरंजन किया जाए।

# क्या केजरीवाल नैतिक आधार खो चुके हैं?

डा. अश्वनी महाजन

**अन्य राज्यों में भी शराब पर उच्च उत्पाद शुल्क लगाया जाता है और इसका उद्देश्य कभी भी बड़ा राजस्व कमाना नहीं होता। बहरहाल यह ठीक नहीं कि केजरीवाल राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार हैं'**

21 मार्च, 2024 को दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आर्थिक अपराधों के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली सरकार की शराब नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसके बाद केजरीवाल को उच्च न्यायालय सहित किसी भी न्यायिक कार्यालय से राहत नहीं मिली, और केजरीवाल ने सर्वोच्च न्यायालय से अपना आवेदन वापस लेने का फैसला किया, जिसके कारण वे ही जानते हैं। हालांकि, कांग्रेस पहले से केजरीवाल के कथित भ्रष्टाचार की आलोचना करती रही है, लेकिन अब उसने केजरीवाल का समर्थन करते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया है। चूंकि चुनाव नजदीक हैं और केजरीवाल एक महत्वपूर्ण नेता हैं, और उनकी पार्टी दो महत्वपूर्ण राज्यों में सत्ता में है, इसलिए उनकी गिरफ्तारी का राजनीतिक महत्व बहुत बढ़ गया है। कुछ लोग उनकी गिरफ्तारी को अनुचित मान सकते हैं और कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि इसका उल्टा असर मौजूदा केंद्र सरकार पर पड़ सकता है, क्योंकि केजरीवाल लोगों की सहानुभूति भी बटोर सकते हैं। लेकिन पहला सवाल यह है कि क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है? दूसरा सवाल यह है कि आखिर यह शराब नीति क्या है? क्यों इसके कारण पहले केजरीवाल के सिपहसालार मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल पहुंचे और अब खुद केजरीवाल। तीसरा सवाल यह है कि शराब नीति और इसके संचालन में भ्रष्टाचार के आरोप क्या सही हैं? चौथा सवाल यह है कि केजरीवाल अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के भारी प्रयास के बावजूद आम जनता से सहानुभूति क्यों नहीं पा रहे हैं। इस लेख में केजरीवाल शराब नीति और इसके प्रभाव को समझने की कोशिश की जा रही है। सबसे पहले यह जानना दिलचस्प होगा कि उक्त शराब नीति को उसके अस्तित्व में आने के एक साल के भीतर ही न्यायपालिका या किसी केंद्रीय एजेंसी ने नहीं, बल्कि खुद केजरीवाल सरकार ने वापस ले लिया। तब से ही उक्त नीति की ईमानदारी पर संदेह हैं।

यह शराब नीति क्या है : केजरीवाल शराब नीति लागू होने से पहले, सरकारी और निजी दुकानों पर खुदरा शराब बेची जाती थी। बेची जाने वाली शराब पर उत्पाद शुल्क और मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूला जाता था। उल्लेखनीय है कि चूंकि राज्य सरकारों के आग्रह पर पेट्रोलियम उत्पादों, शराब और प्रसाधन सामग्री को जीएसटी से बाहर रखा गया था, इसलिए शराब पर उत्पाद शुल्क राज्य सरकार, इस मामले में केजरीवाल सरकार का विषय है। केजरीवाल शराब नीति में, दिल्ली के क्षेत्रों को 32 क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया था, जिसमें 8-10 वार्ड शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 27 दुकानों का प्रावधान रखा गया। इसका मतलब यह था कि प्रत्येक वार्ड में 2-3 शराब विक्रेता होंगे। नई आबकारी व्यवस्था में शहर के 32 क्षेत्रों में समान रूप से वितरित 849 विशाल और वातानुकूलित शराब की दुकानों की परिकल्पना की गई थी। केजरीवाल की शराब नीति को लाने के पीछे एक महत्वपूर्ण तर्क यह था कि इससे उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में खड़े होने के संघर्ष के बिना, वातानुकूलित दुकानों में आसानी से 'शराब खरीदने का सुखद अनुभव' मिलेगा। शराब नीति को 32 जोनों के लाइसेंस की नीलामी से लगभग 10000 करोड़ रुपए की कुल आय की उम्मीद थी। यह पिछले 3 वर्षों के औसत राजस्व 5500 करोड़ रुपए से लगभग दोगुना माना जा रहा था। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल शराब नीति से पहले दिल्ली में 12 से 13 लाख बोतल शराब बिकती थी, जिस पर आबकारी शुल्क और वैट लगाया जाता था। जब केजरीवाल सरकार की शराब नीति पेश की गई तो आबकारी शुल्क और वैट घटाकर एक-एक प्रतिशत कर दिया गया और इसकी जगह लाइसेंस की नीलामी की गई और जिन विक्रेताओं को लाइसेंस दिए गए थे, वे शराब की कितनी भी बोतलें बेचने के लिए स्वतंत्र थे। इससे शराब की बिक्री में तेजी आने लगी और उपभोक्ताओं को सुखद अनुभव देने के लिए मॉल्स में अधिक दुकानें भी खोली जाने लगीं।

थोक विक्रेताओं का विवादास्पद लाइसेंस और कमीशन : केजरीवाल शराब नीति के साथ-साथ एक और नीति भी शुरू की गई, जो स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थी, जिसमें पूर्व में सिर्फ 5 प्रतिशत की तुलना में थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत कमीशन की अनुमति दी गई। इससे खुदरा विक्रेताओं का मुनाफा कम हो गया, उन्हें अपने लाइसेंस सरेंडर करने और व्यवसाय से बाहर होने के लिए मजबूर होना पड़ा, और सरकार के खिलाफ कानूनी मामले भी शुरू हो गए। शायद, थोक विक्रेताओं की इस कमीशन नीति के कारण ही नए केजरीवाल शराब नीति विफल हुई और अंततः मनीष सिसोदिया और केजरीवाल को जेल जाना पड़ा। आलोचकों का आरोप है कि नीति का मसौदा शराब बाजार में एकाधिकार बनाने की सुविधा के एकमात्र इरादे से तैयार किया गया था। यह केवल कुछ चुनिंदा थोक विक्रेताओं के लिए तैयार किया गया था, क्योंकि थोक विक्रेता के लाइसेंस के लिए बोली लगाने की पात्रता शर्तों में से एक, पिछले 3 वर्षों के दौरान 150 करोड़ रुपए की न्यूनतम वार्षिक बिक्री थी। छोटे खिलाडियों को, जिनके पास पहले लाइसेंस था, को बोली प्रक्रिया से बाहर कर दिया। नई नीति ने 'पेरनोड रिकार्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' और 'डियाजियो इंडिया' के ब्रांडों की पेशकश करने वाले मु_ी भर थोक विक्रेताओं को खुदरा विक्रेताओं को आपूर्ति और छूट की मात्रा पर महत्वपूर्ण नियंत्रण दिया था। उच्च निश्चित लाभ ने थोक विक्रेताओं के हितों की रक्षा की, लेकिन खुदरा विक्रेताओं को निचोड़ा।

थोक विक्रेताओं का यह अतार्किक और आश्चर्यजनक मार्जिन केजरीवाल शराब नीति का प्रमुख बिंदु बन गया और इसने खुदरा विक्रेताओं को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे उन्हें अपने लाइसेंस भी सरेंडर करने पड़े। इससे केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को भी बड़ा राजनीतिक झटका लगा। चूंकि थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत कमीशन मिल रहा था, जो सामान्य 3 से 5 प्रतिशत से बहुत अधिक था, इससे खुदरा विक्रेताओं के मार्जिन काफी कम हो गए और उनमें से कई ने अपने लाइसेंस सरेंडर कर दिए और दुकानों को बंद कर दिया। सरकार को इससे राजस्व की भारी हानि हुई और इससे अंततः केजरीवाल शराब नीति वापस लेने हेतु आवाजें उठने लगी। दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा इसकी जांच के आदेश दिए जाने के बाद, यह खुलासा हुआ कि सरकार से जुड़े लोगों ने थोक विक्रेताओं से उनके लाभ का एक बड़ा हिस्सा वापस लिया और उसके प्रमाण भी मिल गए।

पीए सिद्धार्थ

# झुन्नू को चुनावी टिकट

साधो! चुनावों का शोर है। कलियुग घनघोर है। हो सकता है कि चुनावी मौसम होने के बाद भी आप मुझसे कहें कि हमने रसीदी टिकट तो देखा है, लेकिन चुनावी टिकट कभी नहीं देखा। तो मैं आपको बता दूँ कि बिना रसीद के चुनावी टिकट भी नहीं मिलता। रसीद पैसे की भी हो सकती है और ईमान बेचने की भी। यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि आप किस राजनीतिक दल का चुनावी टिकट किस तरह हासिल करते हैं। एक कहावत है कि राजनीति लुच्चों का खेल है। यह आप पर निर्भर करता है कि आप लुच्चे होना चाहते हैं या नहीं। जो राजनीतिक दल भूखे-नंगे हो चुके हैं या कर दिए गए हैं, उनके कुछ राजनेताओं को अब ध्यान आ रहा है कि उनकी व्यक्तिगत विचारधारा अपनी पार्टी की विचारधारा से नहीं मिलती। अपनी विचारधारा को मिलाने के लिए वे दूसरी पार्टियों में कूद रहे हैं। अगर अपने पास पैसा नहीं तो क्या हुआ, ईमान तो है बेचने के लिए। कहते हैं कि अगर कोई व्यक्ति एक बार कपड़े उतार दे तो उसे कभी निर्वस्त्र होने में शर्म नहीं आती। फिर ईमान कपड़े पहनता है या नहीं, मुझे इस बात की जानकारी नहीं। शास्त्रों में ईमान के कपड़े पहनने का कोई जिक्र नहीं आता। यूँ भी ईमान हमारी भाषा का शब्द नहीं। इधर हमारी विधानसभा के समझदार मतदाता किसी भी उम्मीदवार को जिताने के लिए नहीं, हराने के वोट डालते हैं। ऐसे में उम्मीदवार की योग्यता नहीं, अयोग्यता प्रभावी हो उठती है। इसलिए हमारे झुन्नू लाल एक बार हारते हैं तो दूसरी बार जीतते हैं। पहले दो बार जीते तो अपनी आलतू पार्टी की सरकार में मंत्री बने।

इस बार जीते तो उन्हें पूरी उम्मीद थी कि फिर मंत्री बनेंगे। पर हाई कमान ने उनकी संदिग्ध गतिविधियों के चलते उन पर भरोसा नहीं किया। लिहाज़ा लड़ाई विचारधारा पर जा टिकी। दरअसल विचारधारा पहले चुनावी टिकट न मिलने पर और जीतने के बाद मंत्री पद न मिलने पर ही जागती है। मंत्री पद मिलते ही गहन निद्रा में चली जाती है। ऐसे में झुन्नू लाल फालतू पार्टी द्वारा किए गए इमरजेंसी ऑप्रेशन 'बीजे' के बाद अपने कुछ साथियों के साथ अपनी पार्टी और सरकार, दोनों से बग़ावत कर बैठे। फालतू पार्टी ने न केवल झुन्नू को चुनावी टिकट देने की घोषणा कर

डाली बल्कि उनके स्वागत में अभिनंदन समारोह का आयोजन भी कर डाला। स्वागत समारोह में अपने सम्बोधन में झुन्नू भावविभोर होकर आँसू छलकाते हुए बोले, 'आज मुझे लग रहा है कि मेरी घर वापिसी हो रही है। पिछले कुछ अर्से से मैं घोर निराशा में जी रहा था। जिस तरह 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में चौधरी बलदेव सिंह ने फिल्म के आखिरी सीन सिमरन का हाथ छोड़ते हुए कहा था, 'जा सिमरन जी ले अपनी ज़िन्दगी', उसी तरह मेरी हालत देख कर मेरी माँ ने मुझसे कहा,. 'जा, बेटा जा।

फालतू पार्टी में जाकर उसके कार्यकर्ताओं के कंधे पर चढ़कर अपना भविष्य चमका। तुम्हारे पिता जीवन भर पार्टी की विचारधारा के साथ रहते हुए ताउम्र मंत्री रहे। लेकिन पार्टी ने उनकी लियाक़त और वफादारी का यह सिला दिया। तुम्हें इस बार मंत्री नहीं बनाया। आलतू पार्टी अब तुम्हारे लायक़ नहीं रही। लेकिन न मैं दल बदलू हूँ और न ही बिकाऊ। मैं जनता का ऐसा सच्चा सेवक हूँ, जो मंत्री पद की गारन्टी मिलने पर कहीं भी गुलाटी मार सकता है। लेकिन न मैं किसी से डरता हूँ और न ही मेरी कोई महत्वकांक्षा है।' उधर फालतू पार्टी में झुन्नू की सेंधमारी से कई फालतुओं की विचारधारा पर गहरा असर पड़ा। अपनी विचारधारा को बनाए रखने के लिए वे निराशा में अपनी पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। झुन्नू का भविष्य चुनावों के परिणाम पर टिका है। लेकिन इन सब बातों के मध्य झुन्नू की विधान सभा के मतदाता पेशोपश में हैं कि वे इस बार झुन्नू को हराने के लिए वोट डालें या जिताने के लिए। फिलहाल प्रदेश में आलतू पार्टी की सरकार है। पर झुन्नू लाल अपने मतदाताओं की सेवा के लिए फालतू पार्टी में एंट्री मार चुके हैं।

# पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बड़ा झटका, विजय शेखर शर्मा के बाद अब CEO ने भी दिया इस्तीफा

परिवहन विशेष न्यूज

पेटीएम ब्रांड का मालिकाना हक रखने वाली वन97 कम्युनिकेशंस (वन97 कम्युनिकेशंस) ने बताया कि सुरिंदर चावला ने PPBL के एमडी और सीईओ के पद से 8 अप्रैल 2024 को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने निजी कारणों और बेहतर करियर संभावनाओं की तलाश में पद छोड़ा है। सुरिंदर चावला ने पिछले साल जनवरी में पेटीएम पेमेंट्स बैंक को ज्वाइन किया था।

**नई दिल्ली।** चौतरफा मुश्किलों से घिरे पेटीएम पेमेंट्स बैंक (PPBL) को एक और बड़ा झटका लगा है। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसके MD और CEO सुरिंदर चावला (Surinder Chawla) ने इस्तीफा दे दिया है। बैंकिंग रेगुलेटर RBI ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर कई कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। सीईओ सुरिंदर चावला का इस्तीफा इन सबके बीच आया है।

### सुरिंदर चावला ने क्यों दिया इस्तीफा?

पेटीएम ब्रांड का मालिकाना हक रखने वाली वन97 कम्युनिकेशंस (वन97 कम्युनिकेशंस) ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा, 'सुरिंदर चावला ने PPBL के एमडी और सीईओ के पद से 8 अप्रैल 2024 को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने निजी कारणों और बेहतर करियर संभावनाओं की तलाश में पद छोड़ा है। अगर आपसी सहमति से इस्तीफे का फैसला नहीं बदला जाता, तो चावला को 26 जून को PPBL से रिलीव कर दिया जाएगा।'

### PPBL से कब जुड़े थे चावला

सुरिंदर चावला ने पिछले साल जनवरी में पेटीएम पेमेंट्स बैंक को ज्वाइन किया था। लेकिन, इस साल की शुरुआत में RBI ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर लेनदेन बंद करने से समेत कई सख्त प्रतिबंध लगा दिए। इससे पेटीएम पेमेंट्स बैंक की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में भारी गिरावट आई। इसके फाउंडर विजय शेखर शर्मा ने भी कुछ समय पहले PPBL के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था।

### पेटीएम के शेयरों का हाल

आरबीआई के प्रतिबंधों के बाद पेटीएम के तौर पर मशहूर वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। 2024 में इसने अब तक निवेशकों को 37 प्रतिशत तक नेगेटिव रिटर्न दिया है। हालांकि, पेटीएम की यूपीआई से जुड़ी समस्या हल होने के बाद इसमें थोड़ी रिकवरी दिखी। पिछले एक महीने में इसने 4 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

सोमवार (9 अप्रैल) को पेटीएम के शेयरों (Paytm Share Price) में 1.87 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 404.50 रुपये पर बंद हुआ।

# जनवरी-मार्च में घरों की बिक्री 68 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 1.1 लाख करोड़ पार पहुंचा आंकड़ा

परिवहन विशेष न्यूज

क्षेत्रफल के लिहाज से आवास बिक्री 63 प्रतिशत बढ़कर 16.2 करोड़ वर्ग फुट हुई।संख्या के लिहाज से घरों की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़कर 120640 इकाई हो गई। आपको बता दें कि घरों की बिक्री में मात्रा और मूल्य दोनों लिहाज से वृद्धि समग्र अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि सीमेंट और इस्पात सहित 200 से अधिक सहायक उद्योग इस पर निर्भर हैं।

**नई दिल्ली।** इस साल जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान मूल्य के लिहाज से घरों की बिक्री 68 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.11 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। रियल एस्टेट ब्रोकरेज फर्म प्रापटाइगर के अनुसार इस दौरान प्रमुख शहरों में मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से तेजी रही।

प्रॉपटाइगर डाट काम ने अपनी तिमाही रिपोर्ट 'रियल इनसाइट रेजिडेंशियलः जनवरी-मार्च 2024' में कहा कि मूल्य के लिहाज से आवास बिक्री इस साल जनवरी-मार्च में 1,10,880 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 66,155 करोड़ रुपये थी।

### घरों की बिक्री में वृद्धि

आरईए इंडिया के समूह मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) और प्रॉपटाइगर डाट काम के कारोबार प्रमुख विकास वधावन ने कहा कि घरों की बिक्री में मात्रा और मूल्य, दोनों लिहाज से वृद्धि समग्र अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है, क्योंकि सीमेंट और इस्पात सहित 200 से अधिक सहायक उद्योग इस पर निर्भर हैं।

उन्होंने कहा कि इस साल की पहली तिमाही में क्षेत्रफल के लिहाज से आवास बिक्री 63 प्रतिशत बढ़कर 16.2 करोड़ वर्ग फुट हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 9.9 करोड़ वर्ग फुट थी। समीक्षाधीन अवधि में संख्या के लिहाज से घरों की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़कर 1,20,640 इकाई हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 85,840 इकाई थी।

### किन शहरों में कितनी हुई बिक्री

- जनवरी-मार्च 2024 में अहमदाबाद में आवास की बिक्री दोगुनी से अधिक होकर 9,090 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 3,954 करोड़ थी।
- बेंगलुरु में आवास बिक्री 52 प्रतिशत बढ़कर 7,428 करोड़ रुपये से 11,310 करोड़ रुपये हो गई, जबकि चेन्नई में बिक्री 52 प्रतिशत बढ़कर 2,697 करोड़ रुपये से 3,290 करोड़ रुपये हो गई।
- दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 3,476 करोड़ रुपये से तीन गुना बढ़कर 12,120 करोड़ रुपये हो गई। हैदराबाद में आवास की बिक्री 9,711 करोड़ रुपये से दोगुनी होकर 23,580 करोड़ रुपये हो गई। कोलकाता में आवास की बिक्री 59 प्रतिशत बढ़कर 1,260 करोड़ रुपये से 2,000 करोड़ रुपये हो गई।
- मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में आवास बिक्री 31 प्रतिशत बढ़कर 26,167 करोड़ रुपये से 34,340 करोड़ रुपये हो गई।
- पुणे में आवास की बिक्री इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 15,150 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 11,462 करोड़ रुपये थी।
- PropTiger.com और housing.com की शोध प्रमुख अंकिता सूद ने कहा कि विशेष रूप से, मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली एनसीआर और पुणे जैसे प्रमुख शहरों ने सामूहिक रूप से 1.11 लाख करोड़ रुपये के कुल लेनदेन मूल्य का 76 प्रतिशत हिस्सा लिया। यह उछाल न केवल बढ़ी हुई मांग को दर्शाता है, बल्कि प्रमुख व्यावसायिक जिलों में संपत्ति की कीमतों में उल्लेखनीय 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी को भी दर्शाता है।

**इनसाइड**

## बफर स्टॉक के लिए MSP पर चना खरीद रही है सरकार, यहां पाएं सारी जानकारी

सरकार ने किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर चना खरीदना शुरू कर दिया है। इस चने की खरीद से उन राज्यों की मांग को भी पूरा किया जाना है जो अपनी कल्याणकारी योजनाओं के तहत इसे वितरित करना चाहते हैं। इससे कीमतों पर नियंत्रण रखने और अपना बफर स्टॉक बनाए रखने में मदद मिलेगी।

**नई दिल्ली।** कीमतों पर नियंत्रण रखने और अपना बफर स्टॉक बनाए रखने के लिए सरकार ने किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर चना खरीदना शुरू कर दिया है। इस चने की खरीद से उन राज्यों की मांग को भी पूरा किया जाना है, जो अपनी कल्याणकारी योजनाओं के तहत इसे वितरित करना चाहते हैं।

पहले बमुश्किल तीन से चार राज्य ही कल्याणकारी योजनाओं के लिए बफर स्टाक से चना लेते थे, लेकिन अब 16 राज्य सरकारें पोषण सुरक्षा को पूरा करने के लिए बफर स्टाक से चना ले रही हैं।

### सरकारी पोर्टल दालों के स्टॉक की जानकारी

मीडिया से बात करते हुए उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि फिलहाल चना के उत्पादन को लेकर किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। 2024-25 रबी विपणन सीजन के लिए चना का एमएसपी 5,440 रुपये प्रति क्विंटल है।

# चॉकलेट के कीमतों में हो सकती है बढ़ोतरी, आखिर क्या है इसके पीछे की वजह?

परिवहन विशेष न्यूज

आने वाले समय में चॉकलेट की कीमतों मे इजाफा देखने को मिल सकता है। जानकारी सामने आई है कि चॉकलेट के दामों में इजाफा का कारण कोको की कीमतों में बढ़ोतरी है। आपको बता दें कि कोको का उपयोग चॉकेट के अलावा आईस्क्रीम और विस्कुट में भी किया जाता है। आइये इस विषय के बारे में विस्तार से जानते हैं।

**नई दिल्ली।** हम में से ज्यादातर लोगों को चॉकलेट खाना पसंद होता है। बच्चों की तो बात ही क्या है, उनका तो जैसे इसके बगैर काम ही न चले।

एक अध्ययन में यह बात भी सामने आई है कि भारत में लगभग आधे यानी 47% भारतीय अपने मूड को बेहतर बनाने के लिए चॉकलेट खाते हैं। इससे ये बात तो साफ हो गई है कि बहुत से लोग चॉकलेट खाते हैं। मगर इन लोगों के लिए एक बुरी खबर है, क्योंकि जल्द ही चॉकलेट की कीमतों में इजाफा देखने को मिल सकता है।

इसका कारण ये है कि भारत के साथ-साथ अन्य देशों में भी कोको की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। बता दें कि न केवल प्योर चॉकलेट बनाने में, बल्कि आइसक्रीम, बिस्किट बनाने वाली कंपनियां भी कोको का इस्तेमाल करती हैं।

### क्यों बढ़ेगी चॉकलेट की कीमतें

- विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले समय में कोको-आधारित सामग्रियों की कीमतें पहले की तुलना में 70-80% तक बढ़ सकती हैं।
- चॉकलेट बनाने में कोकोआ बटर का उपयोग किया जाता है, जिसके लिए कोको बहुत जरूरी है। इसके अलावा आईस्क्रीम की कीमतों में भी इजाफा हो सकता है, क्योंकि इसमें भी कोको का इस्तेमाल किया जाता है।

### कहां-कहां होता है कोको का प्रोडक्शन

- पूरी दुनिया में हर साल कोको का प्रोडक्शन करने वाले किसान लगभग पांच मिलियन टन कोको बीन्स का उत्पादन करते हैं।
- अगर सबसे बड़े कोको उत्पादक की बात करें तो Côte d'Ivoire और घाना इसमें सबसे आगे हैं, जो दुनिया भर में कोको प्रोडक्शन का लगभग 60% पैदा करते हैं।
- इसके बाद 9% के साथ इक्वाडोर का नंबर आता है। वहीं एशिया में इंडोनेशिया सबसे बड़ा उत्पादक है।
- वर्तमान में 70% से अधिक कोको की खेती पश्चिमी अफ्रीका में की जाती है।
- कोको की 3 किस्में - फोरास्टेरो, क्रिओलो और ट्रिनिटारियो हैं। फोरास्टेरा सबसे ज्यादा मिलने वाली किस्म है।

# लगातार दूसरे दिन सोने-चांदी की कीमत ने तोड़ा रिकॉर्ड, करीब 72 हजार पर पहुंचा 10 ग्राम सोना

परिवहन विशेष न्यूज

राजधानी में लगातार दूसरे दिन सोना और चांदी रिकॉर्ड तोड़ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये। सोमवार को सोना रिकॉर्ड 71700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत 500 रुपये उछलकर 84500 रुपये प्रति किलोग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। चांदी ने सोमवार को पहली बार 84000 का स्तर पार किया।

**नई दिल्ली।** HDFC सिक्योरिटीज के अनुसार मजबूत वैश्विक रुझानों के चलते मंगलवार को स्थानीय बाजार में लगातार दूसरे दिन सोना और चांदी रिकॉर्ड तोड़ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये। दिल्ली में सोने की कीमत 140 रुपये बढ़कर 71,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की नई ऊंचाई पर पहुंच गई।

सोमवार को सोना रिकॉर्ड 71,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत 500 रुपये उछलकर 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। चांदी ने सोमवार को पहली बार 84,000 का स्तर पार किया।

### सोना रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि विदेशी बाजारों में तेजी के संकेतों के बीच दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 140 रुपये बढ़कर 71,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार कर रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, कॉमेक्स पर सोना हाजिर 2,350 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद से 14 अमेरिकी डॉलर अधिक है।

व्यापारियों ने गति को आगे बढ़ाना जारी रखा है, जिससे सोने की कीमतें दैनिक आधार पर नई ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। गांधी ने कहा, इसके अलावा, डॉलर सूचकांक कम कारोबार कर रहा है और अमेरिकी ट्रेजरी की पैदावार में गिरावट आई है, जिससे सुरक्षित-संपत्ति के लिए अतिरिक्त समर्थन मिला है।

# एसबीआई के ग्राहकों के लिए खुशखबरी, अब इस महीने तक एफडी पर मिलेगा तगड़ा ब्याज

परिवहन विशेष न्यूज

एसबीआई स्पेशल एफडी स्कीम देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) अपने ग्राहकों के लिए कई स्पेशल एफडी स्कीम चला रहा है। एक बार फिर से एसबीआई (SBI) ने अपनी वीकेयर स्पेशल एफडी और अमृत कलश स्कीम (SBI Amrit Kalash Scheme) में निवेश की डेडलाइन को बढ़ा दिया है। अब 30 सितंबर 2024 तक इन स्कीम में निवेश किया जा सकता है।

**नई दिल्ली।** भारत के सबसे बड़े पब्लिक बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपने कस्टमर को खुशखबरी दे दी है। दरअसल, बैंक अपने ग्राहकों के लिए कई स्पेशल एफडी (SBI Special FD Scheme) चला रहा है।

इन एफडी स्कीम में एसबीआई वीकेयर स्पेशल एफडी (SBI Wecare FD Scheme) और एसबीआई अमृत कलश स्कीम (SBI Amrit Kalash Scheme) भी शामिल है।

बैंक ने आज इन एफडी में निवेश करने की समयसीमा को बढ़ा दिया है। अब निवेशक 30 सितंबर 2024 तक निवेश कर सकते हैं। इसका मतलब है कि निवेशकों को 30 सितंबर तक इस स्कीम में ज्यादा ब्याज मिलेगा।

### एसबीआई वीकेयर स्पेशल एफडी

एसबीआई के वीकेयर स्पेशल एफडी में बाकी एफडी की तुलना में ज्यादा ब्याज का लाभ मिलता है। इस स्कीम में सीनियर सिटिजन को 7.50 फीसदी की दर से हिसाब से ब्याज मिलता है।

अब निवेशक इस स्कीम में 30 सितंबर 2024 तक निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में सीनियर सिटिजन को 2 से 3 साल के टेन्योर में ज्यादा इंटरेस्ट मिलता है। इसमें 5 से 10 साल तक निवेश किया जा सकता है। इस स्की में ब्याज स्थिर नहीं रहता है।

### एसबीआई अमृत कलश स्कीम

एसबीआई की अमृत कलश स्कीम एक स्पेशल एफडी स्कीम है। इस एफडी का टेन्योर 400 दिन का होता है। इसमें निवेशक को 7.10 फीसदी का इंटरेस्ट मिलता है। बता दें कि स्कीम में ब्याज का पैसा मैच्योरिटी के बाद मिलता है।

अगर निवेशक मैच्योरिटी से पहले निकासी करता है तो जमा राशि पर 0.50 से 1 फीसदी तक की राशि ब्याज जुर्माने के तौर पर काट लिया जाएगा। इस स्कीम में भी 30 सितंबर 2024 तक निवेश किया जा सकता है। इसमें 2 करोड़ रुपये तक का निवेश किया जा सकता है।

# मैन्युफैक्चरिंग में तेजी से औद्योगिक जिंसों के दाम में मजबूती, बढ़ सकते हैं कई उत्पादों के दाम

सोना व चांदी के बाद अब तांबा जिंक निकल जैसी औद्योगिक वस्तुओं की कीमतों में भी तेजी दर्ज की जा रही है। वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तांबे की कीमत 15 माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और इसके साथ जिंक निकल एल्युमीनियम जैसे जिंसों में भी तेजी का रुख देखा जा रहा है। चीन और अमेरिका में लंबे वक्त बाद मैन्युफैक्चरिंग में तेजी देखी गई है।

**नई दिल्ली।** सोना व चांदी के बाद अब तांबा, जिंक, निकल जैसी औद्योगिक वस्तुओं की कीमतों में भी तेजी दर्ज की जा रही है। वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तांबे की कीमत 15 माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और इसके साथ जिंक, निकल, एल्युमीनियम जैसे जिंसों में भी तेजी का रुख देखा जा रहा है।

मंगलवार को तांबे की कीमत 824 रुपए प्रति किलोग्राम, जिंक 231 रुपए प्रति किलोग्राम तो एल्युमीनियम के भाव 227 रुपए प्रति किलोग्राम बताए गए। इस साल तांबे की कीमत में अब तक 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। जानकारों के मुताबिक चीन व अमेरिका दोनों ही जगहों पर मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में फिर से तेजी आ रही है।

चीन में छह माह के बाद तो अमेरिका में डेढ़ साल के बाद मैन्युफैक्चरिंग में तेजी देखी गई है। चीन इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन तेज गति से बढ़ा रहा है जिससे तांबे की मांग बढ़ रही है। मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने से अमेरिका में भी औद्योगिक जिंसों की खपत बढ़ने जा रही है।

भारत में पहले से ही मैन्युफैक्चरिंग का लगातार विस्तार हो रहा है और गत मार्च में तो भारत का मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) 16 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। औद्योगिक जिंसो के दाम में तेजी से एसी, फ्रिज, कार जैसे कई आइटम के दाम अगले एक-दो महीनों में तेज होने की आशंका है।

मैन्युफैक्चरर्स के पास औद्योगिक जिंसों के पुराने स्टॉक होने से इनके दाम में लगातार एक-दो माह तक तेजी रहने पर ही ग्राहकों पर इसका असर दिखेगा। पावर केबल व इलेक्ट्रिक वायर बनाने वाली कई कंपनियों ने तो अपनी लागत की समीक्षा शुरू कर उसे अपने ग्राहकों पर डालना भी शुरू कर दिया है। हालांकि इससे खुदरा ग्राहक प्रभावित नहीं होंगे।

औद्योगिक धातुओं के दाम बढ़ने से इन कंपनियों के शेयर भाव में भी मजबूती चल रही है। मंगलवार को हिन्दुस्तान जिंक के शेयर भाव में 18 प्रतिशत की तेजी रही। औद्योगिक जिंसों से जुड़ी कंपनियां जिंदल स्टील, जेएसडब्ल्यू, टाटा स्टील, नाल्को व हिंडाल्को जैसी कंपनियों के शेयर भाव में भी तेजी देखी गई है।

# उड़ानें रद्द होने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत की भारी उछाल, यात्रियों को करनी पड़ सकती है जेब ढीली

**यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। विस्तारा एयरलाइन की उड़ानें रद्द होने और हवाई यात्रा की मांग अधिक होने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक गर्मी के मौसम में हर साल हवाई यात्रा की मांग अधिक रहती है। लेकिन इस साल विमानन उद्योग कई चुनौतियों से जूझ रहा है।**

**नई दिल्ली।** यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। विस्तारा एयरलाइन की उड़ानें रद्द होने और हवाई यात्रा की मांग अधिक होने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, गर्मी के मौसम में हर साल हवाई यात्रा की मांग अधिक रहती है। लेकिन इस साल विमानन उद्योग कई चुनौतियों से जूझ रहा है।

टाटा समूह की विस्तारा एयरलाइन की 100 से अधिक उड़ानें रद्द होने से हवाई किराया पहले ही बढ़ चुका है। पायलटों की नाराजगी का सामना कर रही एयरलाइन ने प्रतिदिन 25-30 उड़ानों यानी अपनी कुल क्षमता में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी है। यात्रा वेबसाइट इक्सिगो के अनुसार एक से सात मार्च की अवधि की तुलना में एक से सात अप्रैल की अवधि में कुछ हवाई मार्गों पर किराया 39 प्रतिशत तक बढ़ गया।

**दिल्ली-बेंगलुरु के एकतरफ का किराया 39 प्रतिशत बढ़ा**

इस अवधि में दिल्ली-बेंगलुरु उड़ानों के लिए एकतरफ का किराया 39 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि दिल्ली-श्रीनगर उड़ानों के लिए इसमें 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। दिल्ली-मुंबई उड़ान के लिए किराया वृद्धि 12 प्रतिशत रही।

**औसत हवाई किराया 20-25 प्रतिशत के बीच बढ़ने की आशंका**

ट्रैवल पोर्टल यात्रा ऑनलाइन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विमान एवं होटल कारोबार) भरत मलिक ने कहा कि मौजूदा ग्रीष्मकालीन उड़ान शेड्यूल में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों को शामिल करते हुए अनुमानित औसत हवाई किराया 20-25 प्रतिशत के बीच बढ़ने की आशंका है।

**विस्तारा की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती से बढ़ीं कीमतें**

मलिक ने कहा, विस्तारा की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती के फैसले ने प्रमुख घरेलू मार्गों पर टिकट की कीमतों को प्रभावित किया है। दिल्ली-गोवा, दिल्ली-कोच्चि, दिल्ली-जम्मू और दिल्ली-श्रीनगर जैसे प्रमुख मार्गों पर किराया लगभग 20-25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं।

## सड़कों के निर्माण में पहली बार खर्च तीन लाख करोड़ के पार, निजी क्षेत्र ने कुछ यूं दिया योगदान

देश में पहली बार सड़कों के विकास में पूंजीगत खर्च तीन लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया है। बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर यह उत्साह बढ़ाने वाली खबर एक ऐसे समय आई है जब देश लोकसभा चुनाव के दौर से गुजर रहा है। सरकार के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार पिछले वित्तीय वर्ष में संशोधित बजट अनुमान की 99 .93 प्रतिशत धनराशि खर्च की गई।

**नई दिल्ली।** देश में पहली बार सड़कों के विकास में पूंजीगत खर्च तीन लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया है। बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर यह उत्साह बढ़ाने वाली खबर एक ऐसे समय आई है जब देश लोकसभा चुनाव के दौर से गुजर रहा है। सरकार के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार पिछले वित्तीय वर्ष में संशोधित बजट अनुमान की 99.93 प्रतिशत धनराशि खर्च की गई। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। संशोधित बजट अनुमान के तहत सड़कों के निर्माण में 2.78 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाने थे और चुनावी साल में इसका पूरा ध्यान रखा गया कि तीव्र बुनियादी ढांचे के विकास का एजेंडा पूरा करने में कोई कसर न रहने पाए। वित्त वर्ष 2023-24 में सड़क परिवहन और राजमार्गों के विकास में पूंजीगत खर्च तीन लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर जाने का एक बड़ा कारण यह है कि सरकार के साथ ही निजी क्षेत्र के योगदान में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सूत्रों के अनुसार 2022-23 में खर्च का प्रतिशत पहली बार 99 तक पहुंचा था और अब लगातार दूसरे साल इसमें बढ़ोतरी के साथ सौ प्रतिशत खर्च का लक्ष्य लगभग पूरा कर लिया गया है। यह संसाधनों के सही इस्तेमाल के लिए सरकार की ओर से खर्च के चक्र को दुरुस्त करने की नीतियों का भी परिणाम है।

## गर्मी में दूध के साथ इन 3 ड्राईफ्रूट का करें सेवन...

**हड्डियां हो जाएंगी फौलाद की तरह मज़बूत, शरीर की कमजोरी और थकान भी होगी छूमंतर**

जिस तरह किसी भी इमारत का स्ट्रक्चर उसमें इस्तेमाल होने वाले पिलर पर टिका होता है उसी तरह हमारी बॉडी का पूरा स्ट्रॉक्टर हमारी हड्डियों पर टिका होता है। जैसे इमारत के पिलर को बनाने के लिए उसमें सीमेंट, रेत और बजरी डालनी पड़ती है ठीक उसी तरह हमारी बॉडी को हेल्दी रखने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों का सेवन करना पड़ता है। हमारी बॉडी के स्ट्रक्चर को बनाने का काम कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे मिनरल्स मिलकर हमारी बॉडी में हड्डियों का निर्माण करते हैं। अगर आप बॉडी का स्ट्रक्चर मजबूत बनाने के लिए इन मिनरल्स का ध्यान नहीं रखेंगे तो आपकी हड्डियां कमजोर होने लगेगी और जल्दी टूटने लगेंगी। बॉडी में जरुरी पोषक तत्वों की कमी होने से ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है, हड्डियों में दर्द और कमजोरी बढ़ जाती है। उम्र बढ़ने पर हड्डियों से जुड़ी परेशानी ज्यादा होने लगती है।

आयुर्वेदिक और यूनानी दवाओं के एक्सपर्ट डॉक्टर के मुताबिक हड्डियों को मजबूत करने के लिए और बॉडी के स्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए डाइट में इन 3 ड्राय फ्रूट को शामिल करें। डाइट में कुछ नट्स का सेवन करके बॉडी में होने वाली कमजोरी और थकान को दूर किया जा सकता है और हड्डियों को मजबूत बनाया जा सकता है। अगर इन ड्राई फ्रूट को दूध के साथ मिलाकर उनका सेवन किया जाए तो बॉडी में कैल्शियम की कमी को पूरा किया जा सकता है और हड्डियों को फौलाद बनाया जा सकता है। आइए जानते हैं कि कौन-कौन से ऐसे 3 ड्राई फ्रूट हैं जिनका सेवन करने से बॉडी को हेल्दी रखा जा सकता है और बॉडी में कैल्शियम की कमी को पूरा किया जा सकता है। मखाना का करें सेवन मखाना एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जिसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर मखाना हड्डियों के दर्द और सूजन को कम करने का काम करता हैं। एक कटोरा मखाना का सेवन दिन भर में करने से बॉडी को अच्छा खासा कैल्शियम और जरूरी मिनरल्स मिलेंगे जो बॉडी को हेल्दी रखेंगे। मखाना का सेवन ड्राई रोस्ट करके या फिर देसी घी में भूनकर भी कर सकते हैं।

बादाम बादाम एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जिसमें मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन-ई, फैट, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, ओमेगा-3 फैटी एसिड और आयरन मौजूद होता है जो बॉडी के लिए बेहद उपयोगी है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण भी मौजूद होते हैं जो हड्डियों को मजबूत करता है और जोड़ों में तरावट पैदा करते है जिससे चलने फिरने में आसानी होती है। बादाम का सेवन पानी में भिगोकर उसका छिलका उतारकर करना चाहिए। 7-10 बादाम का सेवन रोजाना भिगोकर करें तो सेहत को फायदा होगा। आप बादाम का सेवन उसे पीसकर दूध में मिक्स करके भी कर सकते हैं।

## हुनावास खुर्द आईमाता जी का बैल बंधावा कार्यक्रम आयोजित

ब्यावर जैतारण हुनावास कलां आईमाता जी बैल बंधावा कार्यक्रम आयोजित किया इस अवसर पर माता जी की पुजा अर्चनाकर एवं आरती की और माता जी के 11 नियमों को पालन करनेके लिए बोला है और सीरवी समाज कोटवाल एवं जिम्मेदारी एवं सीरवी समाज बन्धुओं बैल के पुजारी दीपाराम काग (अध्यापक) ने आरती बोली है आईमाता जी के 11 नियमों का पालन करना चाहिए। हुनावास कला के बडेर के कोटवाल मंगलाराम पंवार जमादारी उकारलाल जी हामबड सभी पच गण के सदस्य गण बेल बधा तयवा किया गया.हुनावास खुद के कोटवाल कालूराम जी जमादारी भवर लालजी चोयल सभी गाँव के पच गण एवम महिला मण्डल के द्वारा भजन-कीर्तन किया गया अत महा प्रसादी रखी गई मंगलाराम पंवार ने जानकारी दी।

## सीरवी समाज लाडले सहेते लोकसभा उम्मीदवार पाली के पी पी चौधरी के लिए 36 कौम के सभी भाईयों से मतदान करने 26 अप्रैल भारी मतदान करें

परिवहन विशेष न्यूज

**तेलंगाना।** हैदराबाद दक्षिण भारत समस्त सर्व समाज राजस्थानी से निवेदन है कि पाली लोकसभा क्षेत्र भाजपा प्रत्याशी पी पी चौधरी के मतदान करने की अपिल की सभी देशवासियों को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं। सीरवी समाज कोरेमुला वडेर के अध्यक्ष एवं पाली किसान मोर्चा मंत्री कालुराम काग ने सभी समाज के भाई-बहन को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं दी और सर्व समाज राजस्थानी को अपिल है नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना है सभी देशवासियों के लिए मोदी के सनातन धर्म के लिए और सम्पूर्ण भारत के कल्याण के लिए और अपनी सुरक्षा के लिए भारतीय जनता पार्टी को वोट देने के लिए प्रेरित करें ओर एक बार फिर भारतवासी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारी बहुमत से साथ भारत के प्रधानमंत्री बनने का दृढ़ संकल्प पुरा करावे और विशेष सभी समाज के भाई पी पी चौधरी को भारी मतों से विजय बनाने में सहयोग प्रदान करावे और सभी 36 कौम को प्रेरित करें। सभी सर्व समाज को पाली किसान मोर्चा मंत्री कालुराम काग ने अपिल ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की प्रेरित किया और इस बार 400 से पार ,सभी 36 कौम को हिन्दू नववर्ष पर शुभकामनाएं कुशल मंगल कामनाएं दी।

## बीनू ढिल्लों ने युवाओं को वोट के अधिकार के प्रति जागरूक किया अटारी बॉर्डर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

परिवहन विशेष न्यूज

**अमृतसर। (साहिल बेरी)** किसी भी लोकतांत्रिक देश में चुनाव एक महत्वपूर्ण सबक है और हम सभी को चुनावों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए यह खुलासा बॉलीवुड और पंजाबी फिल्मों के मशहूर अभिनेता बीनू ढिल्लों ने आज अटारी बॉर्डर पर जिला प्रशासन अमृतसर द्वारा आयोजित एक मेगा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में किया। उन्होंने कहा कि इस बार पंजाब में एक जून को मतदान होना है और हमारा कर्तव्य है कि हम इस दिन अपने मताधिकार का प्रयोग करें. उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि युवा हमारे देश की रीढ़ हैं और लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि युवा कितने जागरूक हैं. उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित सत्तर प्रतिशत मतदान लक्ष्य को हासिल करने के लिए पंजाब के युवाओं को मतदान के दिन मतदान के अधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त परमजीत कौर एवं बीनू ढिलो ने युवाओं को अपने मत का सोच-समझकर प्रयोग करने की शपथ भी दिलाई।अटारी बॉर्डर पर आयोजित इस विशाल कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा रंगोली, कलाकार हरिंदर सोहल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, आजाद भगत सिंह विरासत मंच द्वारा नुक्कड़ नाटक और स्कूल ऑफ एमिनेंस, माल रोड द्वारा स्वीप गिद्दा प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर जिला प्रशासन की ओर से बनायी गयी रंगोली लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही, जो मतदान में हिस्सा लेने आने-जाने वालों को संदेश दे रही थी. इस मौके पर मशहूर

कलाकार हरिंदर सोहल ने मतदाता जागरूकता और देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये जिस पर स्कूल ऑफ एमिनेंस, माल रोड द्वारा बहुत ही प्रभावशाली स्वीप गिद्दा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती परमजीत कौर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग मतदाताओं को जागरूक करने के लिए लगातार स्वीप गतिविधियां चला रहा है और ऐसी गतिविधियां भविष्य में भी जारी रहेंगी। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावों को एक त्योहार के रूप में मनाने का फैसला किया है, यही वजह है कि चुनाव आयोग ने 'चोना दा पर्व, देश दा गर्व' को लोकसभा चुनाव-2024 का नारा बनाया है. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर रहा है. इस अवसर पर एसडीएम लाल विश्वास बैस, नोडल अधिकारी स्वीप-सह-जिला शिक्षा अधिकारी (एसईसी) राजेश कुमार, चुनाव कानूनगो राजिंदर सिंह, सौरभ खोसला, जिला स्वीप टीम के सदस्य पंकज शर्मा, मुनीश कुमार, आशु धवन, आशु विशाल, संजय कुमार एवं अन्य लोग भी उपस्थित थे।

## भारत में कब दिखाई देगा ईद का चांद : सऊदी अरब में दिखा चांद

इस्लामिक कैलेंडर में रमजान साल का नौवां महीना है और दसवां महीना शव्वाल है और इसी महीने के पहले दिन इस्लाम धर्म को मानने वाले ईद-उल-फितर का जश्न मनाते हैं.

सऊदी अरब में ईद उल फितर का चांद देखा गया. दुनिया भर में ईद को लेकर जोरों शोरों से तैयारियां चल रही है. हर मुस्लिम बेसब्री से ईद-उल-फितर के चांद का इंतजार कर रहे हैं. ईद का चांद कई बार 29 रोजे रखने के बाद दिखाई देता है और कई बार 30 रोजे रखने के बाद दिखाई देता है. ईद-उल-फितर का चांद दिखाई दिया है. सऊदी अरब में चांद दिखाई है. उस लिहाज़ से भारत में कल चांद दिखेगा और परसो ईद मनाई जाएगी. भारत में ईद किस दिन है

वहीं, भारत में 09 अप्रैल, 2024 को शाम के समय चांद दिखता है तो ईद अगले दिन यानी बुधवार 10 अप्रैल, 2024 को मनाई जाएगी. अगर इस दिन भी चांद नहीं नजर आता है तो भारत समेत अन्य दक्षिण एशियाई देशों में मुसलमान अगले दिन भी उपवास या रोजा रखेंगे. फिर 10 अप्रैल दिन बुधवार को इफ्तार के बाद चांद नजर आएगा और ईद गुरुवार यानी 11 अप्रैल 2024 को मनाई जाएगी.

**मस्जिदों में तैयारियां**

ईद के मद्देनजर राजधानी की मस्जिदों में तैयारियां शुरू हो गई हैं. ईद की नमाज में जुटने वाली भीड़ के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं. धूप से बचाने के लिए शामियाने आदि लगवाए जा रहे हैं। इसके साथ ही खानपान के भी इंतजाम रहेंगे.

## *साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित* अधिकारी संवेदनशीलता के साथ लंबित प्रकरणों का करें समयबद्ध निस्तारण जिला कलेक्टर

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

**शाहपुरा।** जिला कलक्टर श्री राजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई ।जिला कलक्टर श्री शेखावत ने बैठक के दौरान अधिकारियों से ई-फाइलिंग प्रगति की रिपोर्ट की समीक्षा की साथ ही संपर्क पोर्टल, सीएमओ प्रकरण पर पेंडेंसी का समयबद्ध निस्तारण करने, जनसुनवाई प्रकरण, पेयजल से संबंधित समस्याओं जल जीवन मिशन आदि की प्रगति जानी। जिला कलक्टर ने लोकसभा आम चुनाव तैयारी को लेकर भी समीक्षा करते हुए दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने ग्रीष्म ऋतु के मध्य नजर सभी उपखंड अधिकारियों तथा जलदाय विभाग के अधिकारियों को जल प्रबंधन प्रणाली की मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने पेयजल व्यवस्था सुलभ रखने के लिए पानी की पाइपलाइन की मरम्मत तथा रखरखाव संबंधी दिशा निर्देश दिए। बैठक में ज़िला कलेक्टर ने नगर परिषद आयुक्त को शहर में साफ सफाई संबंधी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ट्रैफिक नियमों के बारे में जन जागरूकता फैलाने संबंधी दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान सभी उपखंड अधिकारी तथा जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

## पुत्र प्रेम मे बरिष्ठ नेता सुर और बिजय

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड उडीशा

**भुबनेस्वरः** निति आदर्शों की दुहाई देने वाले राज्य के दो वरिष्ठ नेता विजय महापात्रा और सुरेश कुमार राउतराय अब अपने पुत्र प्रेम में अंधे हो गए हैं। इन दोनों नेताओं ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में अपने सिद्धांतों, आदर्शों और मूल्यों का बलिदान दिया है। राज्य के लोगों की नजर में खुद को सच्चा कांग्रेस नेता बताने वाले सुर राउतराय अपने बेटे और बिजेड़ी सांसद उम्मीदवार मन्मथ के लिए प्रचार कर रहे हैं।दूसरी ओर, बीजेडी में अपने बेटे अरविंद महापात्र को पटकुरा सीट से टिकट दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विजय अब 'चट्टू निरामिष, बेंट अमीश' जैसा व्यवहार कर रहे हैं । हैरानी की बात यह है कि इन दोनों वरिष्ठ नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टियों का सिलसिला तोड़ दिया और बिजेड़ी के बैनर मे अपने बेटे के लिए प्रचार किया, लेकिन सूर की पार्टी कांग्रेस और विजय की पार्टी बीजेपी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पाई ।वरिष्ठ नेता सूर राउतराय मीडिया में कह रहे हैं कि वे मरते दम तक कांग्रेस में रहेंगे और दावा कर रहे हैं कि वे एक ईमानदार कांग्रेस नेता हैं । परंतु सूर के आचरण और उच्चारण में बहुत बड़ा अंतर है। अक्सर अपनी स्थिति बदलने वाले सूर अपने छोटे बेटे मन्मथ के लिए प्रचार करने से नहीं हिचकिचाते। भले ही कांग्रेस ने उन्हें दो बार कारण बताओ नोटिस दिया है, लेकिन वह अपने बेटे मन्मथ, बीजेएम सांसद उम्मीदवार, को फटकार लगाए बिना उनके लिए प्रचार कर रहे हैं। हालाँकि, पार्टी हलकों में इस बात पर कड़ी प्रतिक्रिया हुई है कि कांग्रेस ऐसे भ्रष्ट वरिष्ठ नेता के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है जो बार-बार अपनी राय बदलते हैं। सूर अपने बेटे के लिए भुवनेश्वर-उत्तर, जयदेव, जटनी और भुवनेश्वर-मध्य निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार कर रहे हैं। सूर की ऐसी नीति और अनैतिक व्यवहार आम लोगों और यहां तक कि उनके समर्थकों को भी नापसंद है । और सूर के बेटे को टिकट देकर बीजेजे जिस राजनीतिक समीकरण और लाभ लेने की कोशिश कर रही थी, उसका अब उलटफेर होने लगा है । चुनाव प्रचार के दौरान सूर के बेटे मन्मथ को जब आम मतदाताओं के सवालों का सामना करना पड़ा तो सूर ने खुलेआम मीडिया के सामने आकर आम मतदाताओं को धमकाने आरोप है ।

## गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज ने महर्षि गौतम की शौभायात्रा निकाल महाआरती कर हर्षोल्लास के साथ मनाई गौतम जयंती

बागोर कस्बे व 22 खेड़ा चौखला से पधारे गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के प्रबुद्धजनों ने हर्षोल्लास के साथ मनाई गौतम जयंती

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

**भीलवाड़ा।** बागोर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नव संवत्सर विक्रम संवत 2081 मंगलवार को न्याय प्रणेता अक्षपाद महर्षि श्री गौतम ऋषि की जन्मजयंती हर वर्ष की भाँती इस वर्ष भी गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज बागोर द्वारा महर्षि गौतम की शौभायात्रा निकाल महाआरती कर बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ बागोर कस्बे सहित चौखले के 22 खेड़ों से आये गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा तेजाजी चौक स्थित गौतम शिक्षा सदन माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में मनाई गई।

मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि बागोर में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नव संवत्सर विक्रम संवत 2081 व चैत्रीय नवरात्रा घटस्थापना के पावन अवसर और महर्षि गौतम ऋषि की जन्म जयंती के दिन मंगलवार को बागोर क्षेत्र व आसपास के चौखले के 22 खेड़ों से पधारे गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के प्रबुद्धजनों सहित सभी महिला पुरूष व बाल बच्चों ने मिलकर गौतम शिक्षा सदन माध्यमिक विद्यालय परिषर में प्रातः 10 बजे महर्षि गौतम ऋषि जी की प्रतिमा को पुष्पमाला पहना दीप प्रज्वलित कर भव्य शौभायात्रा निकाली। जो तेजाजी चौक, मालियों का मोहल्ला, बालाजी मार्केट, करेड़ा चौराहा, गंगापुर रोड़, सहकारी समिति चौराहा होते हुए सदर बाजार, पुराना पुलिस थाना भवन, सोनियों की कुई होते हुए कीरो का मोहल्ला, तेलियों का मोहल्ला, आचार्यो की हथाई, पुराना सदर बाजार होकर बड़े चारभुजा मन्दिर चौक पहुँचीं। जहां समाज के सभी महिला पुरुषों ने ठाकुरजी चारभुजानाथ व लक्ष्मीनाथ भगवान के दर्शन किये। बाद इसके पुनः यहाँ से शौभायात्रा शुरू हुई जो गढ़ के बाहर से गुरुद्वारा साहिब होते हुए तेजाजी चौक होकर गौतम विद्यालय पहुँच कर विश्राम किया। इस दौरान नगर में ग्रामीणों ने जगह जगह शौभायात्रा का पुष्प पंखुड़ियों की बौछार से व शीतल व मीठे पेयजल पिला और ऋतुफल खिलाकर भव्य स्वागत सत्कार भी किया। वही इस शौभायात्रा में महिलाएं लाल पीले रंग की चूंदड़ पहने तो पुरुषजन धवल व केशरिया रंग का कुर्ता पायजामा व केशरिया दुपट्टा पहने हुए डीजे और मंदसौरी ढोल की थाप संग भजन कीर्तन करते व महर्षि गौतम के जयकारे लगाते नाचते झूमते चल रहे थे।

गोपाल स्वरूप श्रोत्रिय ने बताया कि 22 खेड़ा चौखला से आये समाज के प्रबुद्धजनों सहित सभी ने मिलकर दोपहर 11:30 बजे महर्षि गौतम ऋषि की प्रतिमा के समक्ष दीपक प्रज्वलित की हुई हाथों में थाली लेकर महाआरती की।

पश्चात इसके महर्षि गौतम ऋषि की जन्म जयंती को धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए विद्यालय प्रांगण में महर्षि गौतम ऋषि की प्रतिमा को बिराजमान कराकर डीजे व ढोल नगाड़ों की धुन पर सभी महिलाओं व पुरुषों के साथ ही बाल गोपाल ने भी नाचते झुमते एक दूसरे को गुलाल अबीर लगाकर महर्षि गौतम के जयकारे लगाते हुए पुष्पवर्षा कर महर्षि गौतम की जन्म जयंती का खूब जमकर आनंद भी लिया।

इसके पश्चात समाज के सभी व्यक्तियो द्वारा महर्षि गौतम ऋषि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किये और महाप्रसाद का भोग लगा सभी ने सामूहिक स्नेह भोज का आनंद भी लिया।

इस अवसर पर 22 खेड़ा के गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के प्रबुद्धजनों सहित समस्त महिलाये, पुरुष व बच्चे महाआरती के साक्षी बने। तो इससे पूर्व प्रातः काल सूर्योदय से ही नीम की पत्ती (कोंपल), कालीमिर्च एवं मिश्री का प्रसाद वितरण कर हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं भी दी गई।

**समाज में फैली कुरीतियां हो बन्दः- 22 खेड़ा अध्यक्ष चास्टा**

मनीष शर्मा ने बताया कि महाआरती के बाद आयोजित हुई समाज की बैठक में 22 खेड़ा के अध्यक्ष गलोदिया निवासी रामेश्वर लाल चास्टा ने सामाजिक स्तर पर समाज के उत्थान एंव समाज में फैली कुरीतिया जिसमें विशेषतः मृत्युभौज, धोवराप्रथा इत्यादि को लेकर एकजुट होकर सामाजिक निर्णय करने और इन्हें जड़मूल से समाप्त करने को लेकर विस्तृत चर्चा कर अपनी बात रखी। वही इसी बात को सचिव जमना लाल शर्मा हरिनगर ने भी पुरजौर समर्थन देते हुए मन मस्तिष्क को प्रगाढ़ कर स्वयं को आगे आकर निर्णय ले पहल करते हुए कार्य करने की बात कही। साथ ही मनीष कुमार शर्मा ने भी 22 खेड़ा चौखला से पधारे समाजजनों के समक्ष अपनी बात को रखते हुए आगंतुक सभी मेहमानों का ह्रदय से धन्यवाद ज्ञापित कर आभार प्रकट किया। इस बैठक का मंच संचालन ओम प्रकाश शर्मा ने किया।

इस दौरान 22 खेड़ा गुर्जरगौड़ समाज के अध्यक्ष रामेश्वर लाल चास्टा गलोदीया, उपाध्यक्ष पवन कुमार शर्मा लक्ष्मीपुरा, सचिव जमना लाल शर्मा हरिनगर, गुर्जरगौड़ समाज बागोर अध्यक्ष देवी लाल पुजारी, श्याम लाल जोशी, लक्ष्मी लाल शर्मा, गोपाल तिवाड़ी, कैलाश चन्द्र शर्मा, गोपाल लाल शर्मा, दिनेश चंद्र शर्मा, घनश्याम शर्मा, प्रेम शंकर शर्मा, दामोदर शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, गोपाल स्वरूप श्रोत्रिय, मनीष कुमार शर्मा, पुष्पकान्त जौशी, विष्णु विवेक शर्मा, शुभम शर्मा, सहित गलोदिया, भोजपुरा, बावलास, पिथास, लसाड़या, लक्ष्मीपुरा, हरिनगर, अड़सीपुरा, बाज्या की खेड़ी सहित 22 गांवो के पधारे समाजजन एवं बागोर से समाज के सभी महिला पुरुषों ने मिलकर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मंगलवार को गौतम जन्म जयंती के साथ ही बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हिन्दू नव संवत्सर भी मनाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023